



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 29, 1994/पौष 8, 1916 (शक)

No. 42]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 29, 1994/PAUSA 8, 1916 (SAKA)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

(भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम, 1994)

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिसम्बर 29, 1994

फा०सं० 1409/लीगल :—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 37 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और ऐसे अधिकरण से पूर्व की गई या न की गई बातों के बिना भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम, 1964 को अधिकांत करने हुए बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाना है, अर्थात् :

अध्याय-I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ. —(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम 1994 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2974 GI/94—1

2. परिभाषाएं.—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्रारूप” से इन विनियमों में उल्लिखित प्रारूप अभिप्रेत है ;

(ग) “सदस्य” से, यथास्थिति, कार्यपालक समिति या अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन गठित या धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन गठित किसी अन्य समिति का सदस्य अभिप्रेत है ;

(घ) “रजिस्टर” से विकास बैंक की एक या अधिक बहियों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर अभिप्रेत है और उसके अंतर्गत अधिनियम की धारा 13ख के अधीन कंप्यूटर फ्लापियों या डिस्कट्स में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर है ;

(इ) उन शब्दों और पदों के जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वे अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

अध्याय II

बोर्ड और कार्यपालक समिति की बैठकें

3. बोर्ड की बैठकें. —(1) बोर्ड की बैठकें, अध्यक्ष द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक द्वारा या दोनों की अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक द्वारा बुलाई जाएंगी।

(2) कोई भी तीन निदेशक, अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या दोनों की अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक से किसी भी समय बोर्ड की बैठक बुलाने की अपेक्षा कर सकेंगे और वह तदनुसार तुरन्त बैठक बुलाएगा।

(3) बोर्ड की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में किसी ऐसे स्थान पर, जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, की जाएंगी।

(4) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कम से कम पंद्रह दिन की सूचना साधारणतया दी जाएगी और ऐसी सूचना प्रत्येक निदेशक को भारत में उसके प्रायिक पते पर भेजी जाएगी। यदि कोई आपात बैठक बुलाना आवश्यक पाया जाए तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पहले उसकी सूचना दी जाएगी, जिससे कि वह उसमें उपस्थित हो सके।

(5) जिस कामकाज के लिए बैठक बुलाई गई थी, उसमें भिन्न, किसी कामकाज की चर्चा बोर्ड की बैठक में, उस बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति और उपस्थित बहुसंख्यक निदेशकों की सहमति के सिवाय तब तक नहीं की जाएगी, जब तक कि लिखित रूप में उसकी सूचना अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक को पूरे एक सप्ताह पहले न दे दी गई हो।

(6) बोर्ड की किसी बैठक में कार्य करने के लिए गणपूर्ति बोर्ड को तत्समय गठित करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या का एक-तिहाई होनी (इस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(7) सभी निदेशकों को भारत में उनके प्रायिक पतों पर लिखित रूप में परिचालित तथा ऐसे निदेशकों की जो उस समय भारत में हैं, जिनमें से एक अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक होगा, बहुसंख्या द्वारा अनुमोदित और हस्ताक्षरित संकल्प विधिमानीय और प्रभावशील होगा तथा उसे उस तारीख को जिसका उस संकल्प पर हस्ताक्षर करने वाले अंतिम हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके लिए सहमति दी गई है और वह हस्ताक्षरित किया गया है, बोर्ड द्वारा पारित संकल्प समझा जाएगा।

परंतु यदि विसम्मति प्रकट करने वाला कोई निदेशक लिखित रूप में अपेक्षा करता है कि इस प्रकार पारित कोई संकल्प बोर्ड की बैठक के समक्ष रखा जाए तो वह संकल्प तब तक यथा उपर्युक्त रूप से विधिमानीय और प्रभावशील नहीं समझा जाएगा जब तक कि वह ऐसी बैठक में पारित न कर दिया जाए।

(8) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति उसके पश्चात् यथाशीघ्र निदेशकों की जानकारी के लिए परिचालित की जाएगी और उस पर बैठक या ठीक आगामी बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

4. कार्यपालक समिति की शक्तियाँ:—(1) कार्यपालक समिति को उन विषयों के सिवाय जो अधिनियम के या उसके अधीन बनाए गए किसी विनियम के अधीन, बोर्ड के लिए विनिर्दिष्ट रूप से आरक्षित है, विकास बैंक के सभी प्रायिक कामकाज करने की पूरी शक्तियाँ होंगी।

(2) अपनी शक्तियों का प्रयोग करने में कार्यपालक समिति ऐसे साधारण या विशेष निदेशों से आबद्ध होगी, जो बोर्ड समय-समय पर दे।

5. कार्यपालक समिति की बैठकें:—(1) कार्यपालक समिति की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में ऐसे अन्य स्थान पर जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट हो, समय-समय पर बुलाई जा सकेंगी, किन्तु यह कि प्रत्येक कैलेंडर मास में कम से कम एक बैठक बुलाई जाएगी। ऐसी बैठकों के लिए पर्याप्त सूचना दी जाएगी।

(2) कार्यपालक समिति की किसी बैठक में कार्य करने के लिए गणपूर्ति कार्यपालक समिति की नियुक्त कुल संख्या का एक-तिहाई होगी (उस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(3) इस विनियम में अन्यथा उपबंधित के सिवाय अधिनियम के और इन विनियमों के उपबंध कार्यपालक समिति की बैठकों पर इस प्रकार लागू होंगे, मानो वे बोर्ड की बैठकें हों।

6. कोई निदेशक या सदस्य उन विषयों के बारे में कार्रवाई नहीं करेगा जिनमें वह व्यक्तिगत रूप से सम्बद्ध है:—

(1) बोर्ड का प्रत्येक निदेशक और कार्यपालक समिति का प्रत्येक सदस्य जो विकास बैंक द्वारा या उसके निमित्त की गई या की जानेवाली किसी संविदा या ठहराव में अथवा प्रस्तावित संविदा या ठहराव में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः

किसी भी रूप में सम्बद्ध या हितबद्ध है, अपनी सम्बद्धता या हित के स्वरूप को, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की बैठक में प्रकट करेगा :

परन्तु किसी निदेशक या सदस्य के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह उस स्थिति में, जिसमें कि उसका उक्त संबंध या हित उसकी एकल रूप से अथवा बोर्ड के किसी अन्य निदेशक या निदेशकों अथवा कार्यपालक समिति के किसी सदस्य या सदस्यों के साथ धारिता, कुल मिलाकर ऐसी कंपनी की समादत्त शेयर पूंजी के दो प्रतिशत से अधिक नहीं हैं, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अर्थान्तर्गत किसी कंपनी या किसी विदेशी कंपनी के साथ की जाने के लिए प्रस्तावित ऐसी किसी संविदा या ठहराव में अपने संबंध या हित को प्रकट करें ।

(2) (क) प्रस्तावित संविदा या ठहराव की दशा में, वह प्रकटीकरण, जो उपविनियम (1) के अधीन बोर्ड के किसी निदेशक या कार्यपालक समिति के सदस्य द्वारा किया जाना अपेक्षित है, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की उस बैठक में, जिसमें संविदा या ठहराव करने के प्रश्न पर प्रथम बार विचार किया जाता है अथवा यदि वह निदेशक या सदस्य, उस बैठक की तारीख को प्रस्तावित संविदा या ठहराव से सम्बद्ध या हितबद्ध नहीं था, तो जब वह इस प्रकार सम्बद्ध या हितबद्ध हो जाता है, उसके पश्चात्, की गई यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में किया जाएगा ।

(ख) किसी अन्य संविदा या ठहराव की दशा में अपेक्षित प्रकटन उस निदेशक या सदस्य के उस संविदा या ठहराव से सम्बद्ध या हितबद्ध हो जाने के पश्चात् की गई, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में किया जाएगा ।

(3) (क) उपविनियम (1) और (2) के प्रयोजन के लिए, किसी निदेशक या सदस्य द्वारा, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति को दी गई इस प्रभाव की सूचना को कि वह किसी विनिर्दिष्ट निगमित निकाय का सदस्य है या किसी विनिर्दिष्ट फर्म का सदस्य है, और उसे किसी ऐसी संविदा या ठहराव में, जो उस निगमित निकाय या फर्म के साथ, उस सूचना की तारीख के पश्चात् किया जाए, सम्बद्ध या हितबद्ध समझा जाए, इस प्रकार की गई किसी संविदा या ठहराव के बारे में संबंध या हित का पर्याप्त प्रकटन समझा जाएगा ।

(ख) बोर्ड या कार्यपालक समिति को खंड (क) के अधीन साधारण सूचना देने वाला कोई निदेशक या सदस्य उसमें दी गई विनिर्दिष्टियों में किसी परिवर्तन की सूचना यथाशीघ्र देगा ।

(ग) कोई ऐसी साधारण सूचना (उसमें किसी परिवर्तन की कोई भी सूचना) तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक वह, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की बैठक में नहीं दी जाती है या संबंधित निदेशक या सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए युक्तियुक्त कदम नहीं उठाता है कि वह उसके दिए जाने के पश्चात्, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में लाई और पढ़ी जाती है ।

(4) बांड का कोई भी निदेशक और कार्यपालक समिति का कोई भी सदस्य, यथास्थिति, निदेशक या सदस्य के रूप में, विकास बैंक द्वारा या उसके निमित्त की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव पर विचार-विमर्श में कोई भाग नहीं लेगा और उस पर मतदान नहीं करेगा यदि वह प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में, ऐसी संविदा या ठहराव से सम्बद्ध या हितबद्ध है और न ही उसकी उपस्थिति ऐसे विचार-विमर्श या मतदान के समय गणपूर्ति के प्रयोजन के लिए गणना में ली जाएगी तथा यदि वह अपना मत देता है तो उसका मत शून्य होगा :

परन्तु इसमें अंतर्बिष्ट कोई भी बात, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अर्थान्तर्गत किसी पब्लिक कंपनी अथवा उस अधिनियम के अर्थान्तर्गत किसी प्राइवेट कंपनी के, जो ऐसी पब्लिक कंपनी की समनुषंगी है, जिसमें निदेशक का हित एकमात्र :—

(i) (क) उसके ऐसी कंपनी के निदेशक होने में है, और

(ख) उसमें इतनी संख्या में या इतने मूल्य के शेयर से, जो इस कारण कि उसे विकास बैंक द्वारा ऐसा निदेशक नामनिर्देशित किया गया है, उसके एक निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए उसे अर्ह बनाने के लिए अपेक्षित है, अनधिक शेयरों के उसके धारक होने में है, या

(ii) उसके एक ऐसा सदस्य होने में है जो ऐसी कंपनी की समादत्त शेयर पूंजी के अधिक से अधिक दो प्रतिशत को धारण करता है, साथ की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव को लागू नहीं होगी ।

7. तदर्थ समितियां :—(1) अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन गठित कोई समिति, उसका सौंपी गई शक्तियों के प्रयोग में ऐसे साधारण या विशेष निदेशों से आबद्ध होगी, जो बोर्ड या कार्यपालक समिति समय-समय पर दे ।

(2) ऐसी किसी समिति की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में अन्य ऐसे स्थान पर जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, समय-समय पर बुलाई जा सकेंगी। ऐसी बैठकों के लिए पर्याप्त सूचना दी जाएगी।

(3) ऐसी किसी समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति उसके कुल सदस्यों के एक तिहाई होगी (इस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णकित किया जाएगा)।

(4) विनियम 6 के उपबंध ऐसी किसी समिति के प्रत्येक सदस्य को और उसकी बैठकों को उसी रीति से लागू होंगे, जैसे वह विनियम कार्यपालक समिति के प्रत्येक सदस्य और उसकी बैठकों को लागू होता है:

परन्तु यदि ऐसे किसी सदस्य ने विनियम 6 के अधीन बोर्ड या कार्यपालक समिति को कोई सूचना दी है तो उसके लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह इस उप-विनियम के अनुसरण में अपने संबंध या हित का और आगे प्रकटन करे।

अध्याय III

निदेशकों की फीम और भत्ते

8. निदेशकों और कार्यपालक समिति तथा अन्य समितियों के सदस्यों की फीस और भत्ते:—(1) अधिनियम की धारा 8 के परस्तुक के अधीन रहते हुए:—

- (i) प्रत्येक निदेशक, बोर्ड की ऐसी प्रत्येक बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थित होता है, केवल दो सौ पचास रुपये की फीम प्राप्त करने का हकदार होगा;
- (ii) कार्यपालक समिति का प्रत्येक सदस्य कार्यपालक समिति की प्रत्येक उस बैठक के लिए, जिसमें वह उपस्थित होता है, केवल दो सौ पचास रुपये की फीम प्राप्त करने का हकदार होगा;
- (iii) अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन गठित किसी भी समिति का प्रत्येक सदस्य, जब तक कि उसे कोई पारिश्रमिक, जिसके अंतर्गत विकास बैंक से मिलने वाले आकस्मिक पारिश्रमिक से भिन्न मानदेय भी है, प्राप्त नहीं होता है, ऐसी समिति की प्रत्येक उस बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थित होता है, 250 रुपये की फीम प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) ऐसी फीस के अतिरिक्त, निदेशकों और सदस्यों को उनके यात्रा व्ययों की प्रतिपूर्ति ऐसे मापमानों पर दी जाएगी जिनके लिए वे उन संबंधित संस्थाओं में हकदार हैं,

जिनमें वे पद धारण करने हैं और किसी अन्य दशा में ऐसे मापमानों पर दी जाएगी, जो केन्द्रीय सरकार के उच्चतम समूह "क" अधिकारी को लागू हैं। यथास्थिति, सरकार, वित्तीय संस्था, रिजर्व बैंक, वाणिज्य बैंक या विकास बैंक में हकदार हैं, दी जाएगी।

अध्याय IV

संविदाएं, सामान्य मुद्रा और लेखे

9. वह रीति और प्ररूप जिसमें विकास बैंक पर आबद्धकारी संविदाएं निष्पादित की जा सकेंगी:—

- (1) विकास बैंक की ओर से सभी संविदाएं लिखित रूप में की जाएंगी और उनके अभिव्यक्त या विवक्षित प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित की जाएंगी और वे उसी रीति में परिवर्तित या प्रभावोन्मुक्त की जा सकेंगी।
- (2) इस विनियम के उपबंधों के अनुसार की गई सभी संविदाएं विधिमान्य और विकास बैंक पर आबद्धकारी होंगी।

10. विकास बैंक के लेखे, रसीदें और दस्तावेजों किस्से द्वारा हस्ताक्षरित होंगी:—विकास बैंक के प्रबन्ध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक, कार्यपालक निदेशकों, महा प्रबन्धकों, संयुक्त महाप्रबन्धकों, उप महाप्रबन्धकों, सचिव और मुख्य लेखाकार तथा विकास बैंक के ऐसे अधिकारियों को, जिन्हें बोर्ड राजस्व में अधिमूचना द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत करे, ऐसे विस्तार तक और ऐसी परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, यदि कोई हों, जो ऐसे प्राधिकृत करने में विनिर्दिष्ट या अधिरोपित करे, विकास बैंक के लिए और उसकी ओर से बचन पत्र, स्टॉक-रसीदें, स्टॉक, डिबेंचर, शेयर प्रतिभूतियां और माल के हक दस्तावेजों को, जो विकास बैंक के नाम में हैं और या उसके नाम में धारित हैं या उसके द्वारा धारित हैं, पृष्ठांकित और प्रनरित करने तथा विकास बैंक के चालू और प्राधिकृत कारबार में विनियम-पत्रों और अन्य लिखतों का लिखने, स्वीकार और पृष्ठांकित करने तथा ऐसे कारबार में संबंधित अन्य सभी लेखाओं, रसीदों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए इसके द्वारा पृथक्: सशक्त किया जाता है।

11. वादपत्र आदि किस्से द्वारा हस्ताक्षरित होंगे:—वादपत्र, लिखित कथन, शपथपत्र और विधिक कार्यवाहियों में संबंधित सभी अन्य दस्तावेज विकास बैंक की ओर से ऐसे किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित किए जा सकेंगे जो विनियम 10 द्वारा या उसके अधीन विकास बैंक के लिए और उसकी ओर से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए सशक्त हैं।

12. बंधपत्रों का निर्गमन :—(1) विकास बैंक के बंधपत्र या डिबेंचर अध्यक्ष या प्रबन्ध निदेशक के हस्ताक्षर से निर्गमित किए जाएंगे और ऐसा हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा, जिसका बोर्ड निदेश दे, छपा हुआ हो सकेगा।

(2) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण लिथोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी रूप में विधिमान्य होगा जैसे स्वयं हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके हस्तलेख में लिखा गया हस्ताक्षर होगा।

13. सामान्य मुद्रा :—विकास बैंक की सामान्य मुद्रा, यथास्थिति, बोर्ड के या कार्यपालक समिति के संकल्प के अनुसरण में और कम से कम तीन निदेशकों की जिनमें अध्यक्ष या प्रबन्ध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक भी सम्मिलित होगा, जो अपनी उपस्थिति के प्रतीकस्वरूप, लिखत पर अपने नाम हस्ताक्षरित करेंगे और ये हस्ताक्षर ऐसे किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर से पृथक होंगे, जो एक साक्षी के रूप में उस लिखत पर हस्ताक्षर करे, उपस्थिति में ही किसी भी लिखत पर लगाई जाएगी, अन्यथा नहीं। जब तक कि उक्त रीति से वह हस्ताक्षरित नहीं होगी, तब तक ऐसी लिखत की कोई विधिमान्यता नहीं होगी।

14. तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा :—विकास बैंक प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च को तुलन पत्र तथा उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा इन विनियमों की अनुसूची I और अनुसूची II में विनिर्दिष्ट प्रारूपों में तैयार करेगा।

अध्याय V

शेयर और शेयर रजिस्टर

15. शेयर जंगम संपत्ति है :—विकास बैंक के शेयर जंगम संपत्ति होंगे।

16. शेयरों और रजिस्ट्रों पर नियंत्रण :—अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के और ऐसे निदेशों के अधीन रहते हुए जो बोर्ड समय-समय पर दे, प्रधान कार्यालय में रखा गया रजिस्टर बोर्ड द्वारा रखा जाएगा और बोर्ड के नियंत्रण के अधीन होगा और बोर्ड का इस बारे में विनिश्चय कि क्या कोई व्यक्ति किसी शेयर की बाबत शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने का हकदार है या नहीं, अंतिम होगा।

17. वे पक्षकार जो शेयरधारकों के रूप में रजिस्टर नहीं किए जा सकेंगे :—(1) जैसा इन विनियमों द्वारा अन्यथा उपबंधित है उनके सिवाय कोई भी अवयस्क या व्यक्ति, जो सक्षम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय द्वारा विकृतचित्त पाया गया है, शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) फर्मों की दशा में शेयर अलग-अलग भागीदारों के नामों में रजिस्टर किए जाएंगे और कोई भी फर्म उस रूप में शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने की हकदार नहीं होगी।

18. रजिस्टर में दर्ज की जाने वाली विनिर्दिष्टियाँ :—

(1) अधिनियम की धारा 13ख में विनिर्दिष्ट विनिर्दिष्टियों के अतिरिक्त निम्नलिखित विनिर्दिष्टियाँ रजिस्टर में दर्ज की जाएंगी, अर्थात् :—

(क) वह रीति जिसमें प्रत्येक शेयरधारक ने अपना शेयर या अपने शेयर अर्जित किए और केन्द्रीय सरकार को शेयरों के आवंटन के सिवाय पूर्व धारक का नाम और वह फोलियो जिसमें शेयर अंतिम बार दर्ज किया गया था ;

(ख) क्या शेयरधारक केन्द्रीय सरकार है या केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रवर्ग का है ; और

(ग) जब कोई व्यक्ति शेयरधारक नहीं रह जाता है तब उस व्यक्ति का नाम जिसके पक्ष में शेयर अंतरित किया जाता है किए जाते हैं।

(2) (क) केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित साधारण शेयरों, और

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित अधिमानी शेयरों की बाबत एक पृथक लेजर रखा जाएगा।

(3) किसी शेयर के संयुक्त धारकों की दशा में उनके नाम और उप-विनियम (1) द्वारा अपेक्षित अन्य विनिर्दिष्टियाँ ऐसे संयुक्त शेयरधारकों में से पहले के नाम के अधीन समूहीकृत की जाएंगी।

(4) भारत के बाहर निवासी शेयरधारक विकास बैंक को भारत में एक पता देगा और ऐसा पता रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा तथा अधिनियम और इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए उसका रजिस्ट्रीकृत पता समझा जाएगा।

19. संयुक्त शेयरधारकों के अधिकारों का प्रयोग :—यदि कोई शेयर दो या अधिक व्यक्तियों के नाम में है तो रजिस्टर में प्रथम नामित व्यक्ति, मनवान, लाभार्थी की प्राप्ति, सूचनाओं की तामील के बारे में तथा सभी या

विकास बैंक से संबंधित सभी मामलों के बारे में, शेयरों के अंतरण को छोड़कर, उसका एकमात्र धारक समझा जाएगा।

20. रजिस्टर का निरीक्षण :—(1) रजिस्टर तब के सिवाय जब वह विनियम 21 के अधीन बंद कर दिया जाता है ऐसे व्यक्तिगत निबंधनों के अधीन रहते हुए, जो विकास बैंक अधिरोपित करे, कामकाज घंटों के दौरान ऐसे स्थान पर जहां यह रखा जाता है किसी शेयर-धारक द्वारा निःशुल्क निरीक्षण के लिए खुला रहेगा किन्तु इस प्रकार कि प्रत्येक कार्य दिवस में कम से कम दो घंटे तक निरीक्षण की अनुज्ञा दी जाएगी।

(2) किसी शेयरधारक को रजिस्टर में से किसी प्रविष्टि की स्वयं प्रति तैयार करने का अधिकार नहीं होगा किन्तु तब के सिवाय जब रजिस्टर बंद कर दिया जाता है रजिस्टर या उसके किसी भाग की प्रति की अपेक्षा कर सकेगा।

(3) उप-विनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किए गए केन्द्रीय सरकार के किसी अधिकारी को रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रतिलिपि करने या रजिस्टर या उसके किसी भाग की प्रति की अपेक्षा करने का अधिकार होगा।

21. रजिस्टर को बंद करना :—विकास बैंक, भारत में परिचालित कम से कम दो समाचारपत्रों में विज्ञापन द्वारा कम से कम सात दिन की पूर्व सूचना देने के पश्चात् शेयरधारकों के रजिस्टर को प्रत्येक वर्ष में कुल मिलाकर पैंतालीस दिन की किसी अवधि या अवधियों के लिए, किन्तु जो एक बार में तीस दिन से अधिक की नहीं होगी, बंद कर सकेगा।

22. शेयर प्रमाणपत्र :—(1) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र ऐसे प्ररूप में जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, जारी किया जाएगा। प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र में भुविन्न संख्यांक दिया जाएगा और उन शेयरों की संख्या दर्शित की जाएगी जिनकी बाबत वह जारी किया जाता है। प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र में उस शेयरधारक का नाम दिया जाएगा जिसे वह जारी किया जाता है।

(2) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र विकास बैंक की ओर से ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा, जिन्हें बोर्ड इस निमित्त सम्यक् रूप में प्राधिकृत करे और ऐसा हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ किया हुआ या ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा, जिसका बोर्ड निदेश दे, छपा हुआ हो सकेगा।

(3) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी प्रकार विधिमान्य होगा जैसे स्वयं हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके हस्ताक्षर में लिखा गया हस्ताक्षर होगा।

23. शेयर प्रमाणपत्रों का जारी किया जाना :—(1) विकास बैंक किसी शेयरधारक को प्रमाणपत्र जारी करते समय एक बार में उसके नाम में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक पचास शेयरों या उनके गुणजों के लिए एक प्रमाणपत्र के आधार पर और उनसे अधिक किन्तु पचास से कम शेयरों की संख्या के लिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम होगा।

(2) यदि रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले शेयरों की संख्या पचास से कम है तो सभी शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

(3) कई व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप में धारित शेयरों की दशा में, ऐसे संयुक्त धारकों में से एक को सापेक्ष प्रमाणपत्र या प्रमाणपत्रों का परिधान सभी को पर्याप्त परिधान होगा और संयुक्त धारकों में से किसी एक द्वारा हस्ताक्षरित प्राप्ति सभी संयुक्त धारकों पर प्रभावी रूप से बंधनकार होगी।

24. प्रमाणपत्रों का नवीकरण :—(1) यदि फटा हुआ या विकृत कोई शेयर प्रमाणपत्र पेश किया जाता है तो बोर्ड उसे रद्द करने का आदेश दे सकेगा और उसके बदले में नया प्रमाणपत्र जारी करवा सकेगा।

(2) यदि किसी शेयर प्रमाणपत्र का खो जाना या नष्ट हो जाना अभिकथित है तो उसके खो जाने और नष्ट हो जाने के ऐसे साध्य के पेश किए जाने पर, जो बोर्ड समाधानप्रद समझे और प्रतिभूति सहित या उसके बिना, जिसकी बांड अपेक्षा करे, ऐसी उन्मुक्ति पर और विकास बैंक को उसके खर्चों, प्रभारों और मामले के या उसके अनुपंसी व्यय के संदाय पर उसके बदले में एक नया प्रमाणपत्र ऐसे खो गए या नष्ट हो गए प्रमाणपत्र के लिए हकदार व्यक्ति को दिया जाएगा।

25. शेयरों का अंतरण :—(1) विकास बैंक के शेयरों का प्रत्येक अंतरण लिखित रूप में और प्ररूप क में होगा।

(2) किसी शेयर के अंतरण की लिखित बोर्ड की प्रस्तुत की जाएगी और अंतरक तथा अंतरिती द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी और अंतरक ऐसे शेयरों का तब तक धारक रहेगा जब तक अंतरिती का नाम रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाता है।

(3) अंतरण रजिस्टर करने के अनुरोध के साथ बोर्ड द्वारा किसी अंतरण लिखत की प्राप्ति पर बोर्ड, जब तक कि वह अंतरण का अधिनियम की धारा 13घ के अधीन रजिस्टर करने में इंकार नहीं करता है, अंतरण को रजिस्टर करवाएगा।

26. अंतरणों को निलंबित करने की शक्ति :—बोर्ड किसी ऐसी अवधि के दौरान जिसमें रजिस्टर बंद कर दिया जाता है अंतरण के रजिस्ट्रीकरण का निलंबन कर सकेगा।

27. किसी शेयरधारक की मृत्यु, दिवाले आदि की दशा में शेयरों का पारेषण :—(1) किसी शेयर की बाबत किसी मृत शेयरधारक के निष्पादक या प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के भाग X के अधीन जारी किए गए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ऐसे शेयर की बाबत या ऐसा व्यक्ति, जिसके पक्ष में ऐसे शेयर की विधिमान्य अंतरण लिखित ऐसे व्यक्ति द्वारा और मृत एकमात्र धारक द्वारा अपने जीवनकाल के दौरान निष्पादित की गई थी, केवल ऐसा व्यक्ति होगा जिसे विकास बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर कोई हक रखने वाले व्यक्ति के रूप में मान्यता दी जा सकेगी।

(2) दो या अधिक शेयरधारकों के नाम में रजिस्ट्रीकृत शेयरों की दशा में उत्तरजीवी और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उसके निष्पादक या प्रशासक या कोई व्यक्ति जो शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के हित की बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक है या ऐसा व्यक्ति जिसके पक्ष में ऐसे व्यक्ति और ऐसे अंतिम उत्तरजीवी द्वारा अपने जीवनकाल के दौरान शेयर के अंतरण की विधिमान्य लिखित निष्पादित की गई थी, केवल ऐसा व्यक्ति होगा जिसे विकास बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर कोई हक रखने वाले व्यक्ति के रूप में मान्यता दी जा सकेगी।

(3) विकास बैंक ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को मान्यता देने के लिए तब तक आबद्ध नहीं होगा जब तक कि उन्होंने सक्षम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय से, यथास्थिति, प्रोबेट या प्रशासन पत्र या अन्य विधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त न किया हो:

परंतु यह कि किसी मामले में जहां बोर्ड अपने विवेक से उचित समझे, बोर्ड के लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, प्रशासन पत्रों या ऐसे अन्य विधिक प्रतिनिधित्व के पेश करने से, उन्मुक्ति के बारे में ऐसे निबंधनों पर या अन्यथा जो वह ठीक समझे, छूट देना विधिपूर्ण होगा।

(4) शेयरधारक की मृत्यु के परिणामस्वरूप किसी शेयर का हकदार हो जाने वाले किसी ऐसे व्यक्ति को और दिवाले, शोधन अक्षमता या शेयरधारक के सम्पत्ति के परिणामस्वरूप किसी शेयर का हकदार हो जाने वाले व्यक्ति को ऐसे साध्य के पेश किए जाने पर, जिसकी बोर्ड अपेक्षा करे :—

(क) ऐसे शेयर की बाबत शेयरधारक के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने का अधिकार होगा; या

(ख) ऐसे शेयर का ऐसा अंतरण करने का अधिकार होगा जैसे ऐसे व्यक्ति ने किया होता जिससे वह हक व्युत्पन्न करता है।

28. शेयरों पर कालें :—बोर्ड क्रमशः उनके द्वारा धारित शेयरों पर असंदत्त रह गई सभी धनराशियों की बाबत शेयरधारकों पर, जो वह ठीक समझे ऐसी कालें, और उनके आबंटन की शर्तों द्वारा नहीं, जो नियत समयों पर संदेय की गई हैं, समय-समय पर कर सकेगा और प्रत्येक शेयरधारक उसपर इस प्रकार की गई प्रत्येक काल की रकम उस व्यक्ति को ऐसे समय और स्थान पर करेगा जिसे बोर्ड नियत करे। कोई काल किस्तों में संदेय बनाई जा सकती है।

29. कालों की तारीख संकल्प की तारीख से होगी :—कोई काल उस समय की गई समझी जाएगी जब ऐसी काल को प्राधिकृत करने वाला बोर्ड का संकल्प पारित किया गया था और जो रजिस्टर पर शेयरधारकों द्वारा ऐसी तारीख को या बोर्ड के विवेक पर ऐसी पञ्चात्पूर्वी तारीख को संदेय की जा सकेगी जो बोर्ड द्वारा नियत की जाए।

30. काल की सूचना :—प्रत्येक काल की कम से कम तीस दिन की सूचना संदाय का समय विनिर्दिष्ट करते हुए दी जाएगी परंतु यह कि ऐसी काल के संदाय के लिए समय से पूर्व बोर्ड शेयरधारकों को लिखित सूचना द्वारा उसे प्रति-संहत कर सकेगा।

31. काल के संदाय के लिए समय का विस्तार :—बोर्ड, समय-समय पर और अपने विवेक से सभी या शेयरधारकों के किसी प्रवर्ग के संबंध में किसी काल के संदाय के लिए नियत समय का, उनके निवास-स्थानों की दूरी और पहुंच या सामान्य संचार पर प्रभाव डालने वाले अन्य कारणों को ध्यान में रखते हुए, विस्तार कर सकेगा किन्तु कोई भी शेयरधारक ऐसे विस्तार के लिए साधिकार हकदार नहीं होगा।

32. संयुक्त धारकों के दायित्व :—किसी शेयर के संयुक्त धारक उसकी बाबत सभी कालों का संदाय करने के लिए संयुक्त और पृथक् दायी होंगे।

33. कालों के रूप में नियत समय पर या किस्तों द्वारा संदेय रकम :—यदि किसी शेयर के निर्गम के निबंधनों द्वारा या अन्यथा कोई रकम किसी नियत समय पर किस्तों द्वारा संदेय है तो प्रत्येक ऐसी रकम या किस्त इस प्रकार संदेय होगी मानो वह बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप में की गई काल हो और जिसकी सम्यक् सूचना दी गई हो और कालों की बाबत इसमें अंतर्विष्ट सभी उपबंध ऐसी रकम या किस्त से तदनुसार संबंधित होंगे।

34. काल या किस्त पर ब्याज कब संदेय होगा :—यदि किसी काल या किस्त की बाबत संदेय कोई राशि उसके संदाय के लिए नियत दिन को या उसके पूर्व संदत्त नहीं की जाती है तो उस शेयर का, जिसकी बाबत काल की गई होती या किस्त शोध्य होती, तत्समय धारक या आवंटित ऐसी राशि पर ऐसी दर पर ब्याज का, जो बोर्ड समय-समय पर नियत करे, संदाय उसके संदाय के लिए नियत दिन में वास्तविक संदाय के समय तक करेगा किन्तु बोर्ड ऐसे ब्याज के संदाय का पूर्णतया या भागत अधिव्ययन कर सकेगा।

35. शेयरधारक द्वारा कालों का असंदाय :—कोई भी शेयरधारक कोई लाभांश प्राप्त करने या शेयरधारक के रूप में किसी विशेषाधिकार का प्रयोग करने के लिए तब तक हक्कदार नहीं होगा जब तक उसने तत्समय शोध्य और उसके द्वारा चाहे एकल रूप में या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में धारित प्रत्येक शेयर पर संदेय कालों का ब्याज और व्यय सहित, यदि कोई हो, संदाय न कर दिया हो।

36. यदि काल या किस्त का संदाय नहीं किया जाता तो सूचना दी जाएगी :—यदि कोई शेयरधारक किन्हीं शेयरों की बाबत, चाहे मूलधन के रूप में या उसके संदाय के लिए नियत दिन को या उसके पूर्व शोध्य किसी पूर्ण काल या उसके किसी भाग का संदाय करने में असफल रहता है तो बोर्ड उसके पश्चात् किसी समय, ऐसे समय के दौरान जिसमें काल या ब्याज या उसका कोई भाग या अन्य धन-राशियाँ असंदत्त रहती हैं या उनकी बाबत कोई निर्णय या डिक्री पूर्णतः या भागत अनुपलब्ध रहती है, ऐसे शेयरधारक या पारंपण द्वारा शेयर के हक्कदार व्यक्ति पर (यदि कोई हो), ऐसी काल या किस्त या उसके ऐसे भाग का या अन्य धनराशियों का जो असंदत्त रहती है, किसी ब्याज सहित जो प्रोद्भूत हो गया हो और सभी व्यय (विधिक या अन्यथा) जो ऐसे असंदाय के कारण विकास बैंक द्वारा संदत्त या प्रोद्भूत किया गया हो, संदाय करने की अपेक्षा करने वाली सूचना को तामील कर सकेगा।

37. सूचना का प्राक्क :—सूचना में एक दिन, जो सूचना की तारीख से चौदह दिन से कम का नहीं होगा और वह स्थान या वे स्थान जहाँ और जिनपर ऐसी काल या किस्त या ऐसे भाग का या अन्य धनराशियों और ऐसे ब्याज और उपर्युक्त व्यय का संदाय किया जाता है, दर्शित किया जाएगा। सूचना में यह भी कथन होगा कि नियत समय पर या उसके पूर्व या स्थान पर असंदाय की दशा में वह शेयर जिसकी बाबत काल की गई थी या किस्त संदेय है समपहृत किया जा सकेगा।

38. संदाय में व्यतिक्रम होने पर शेयर समपहृत किए जाएंगे :—उपर्युक्त ऐसी सूचना की किन्हीं अपेक्षाओं का पालन नहीं किया जाता है तो कोई शेयर, जिसकी बाबत

ऐसी सूचना दी गई है सभी कालों या किस्तों, ब्याज और व्यय या उनकी बाबत शोध्य धनराशि के संदाय के पूर्व बोर्ड के उस प्रभाव के संकल्प द्वारा समपहृत किए जा सकेंगे। ऐसे समपहृतण के अंतर्गत समपहृत शयरों की बाबत घोषित और समपहृतण के पूर्व वास्तव में असंदत्त सभी लाभांश होंगे।

39. रजिस्टर में समपहृतण की प्रविष्टि :—जब विनियम 38 के अधीन किसी शेयर का समपहृतण किया गया हो तब उसकी तारीख सहित समपहृतण की प्रविष्टि रजिस्टर में की जाएगी।

40. समपहृत शेयर विकास बैंक की संपत्ति होंगे और उनका विक्रय किया जा सकेगा :—इस प्रकार समपहृत कोई शेयर विकास बैंक की संपत्ति समझा जाएगा और उसका विक्रय, पुनरावंटन या अन्यथा व्ययन या तो उसके मूल धारक या किसी अन्य व्यक्ति को, ऐसे निबंधनों पर और ऐसी रीति से किया जा सकेगा जिसका बोर्ड विनिश्चय करे।

41. समपहृतण को निष्प्रभावी करने की शक्ति :—बोर्ड विनियम 38 के अधीन इस प्रकार समपहृत किसी शेयर का विक्रय, पुनरावंटन या अन्यथा व्ययन के पूर्व किसी समय उसके समपहृतण को, ऐसी शर्तों पर, जो वह ठीक समझे, निष्प्रभावी कर सकेगा।

42. शेयरधारक समपहृतण के समय देय धनराशि और ब्याज का संदाय करने के लिए दायी होगा :—कोई शेयर-धारक जिसके शेयर समपहृत कर लिए गए हैं समपहृतण के होते हुए भी सभी कालों, किस्तों, ब्याज, व्यय और समपहृतण के समय ऐसे शेयरों पर या की बाबत देय अन्य धनराशियों का, उन पर समपहृतण के समय में संदाय तक ऐसी दर पर ब्याज सहित, जो बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट की जाए, विकास बैंक को संदाय करने के लिए दायी होगा और उसे तुरंत संदाय करेगा और बोर्ड पूरे या उसके भाग के संदाय को प्रवर्तित कर सकेगा।

43. आंशिक संदाय समपहृतण का प्रचारण नहीं करेगा :—किन्हीं शेयरों की बाबत शोध्य कालों या अन्य धनराशियों के लिए विकास बैंक के पक्ष में कोई भी निर्णय या डिक्री और न ही उसके अधीन कोई संदाय या तुष्टि, न ही विकास बैंक द्वारा किसी धनराशि के भाग की प्राप्ति जो किन्हीं शेयरों की बाबत चाहे मूलधन के रूप में या ब्याज के रूप में किसी शेयरधारक से समय-समय पर शोध्य हो, न ही किसी धनराशि के संदाय का बाबत विकास बैंक द्वारा दिखाई गई कोई उदारता, इन विनियमों के अधीन ऐसे शेयरों के समपहृतण को प्रचारित करेगी।

44. समपहृतण उपबंधों का लागू होना :—समपहृतण के बारे में इन विनियमों के उपबंध किसी राशि के, जो किसी शेयर के निर्गम के निबंधनों द्वारा नियत समय को

संदेय हो जाती है, असंदाय की दशा में ऐसे लागू होने मानो वह सम्यक् रूप में की गई काल के आधार पर संदेय रहो था ।

45. विकास बैंक का शेयरों पर धारणाधिकार :— विकास बैंक का भागनः समाप्त शेयरों की दशा में काल का गई या ऐसे शेयरों की वास्तव नियत समय पर संदेय सभी धनराशियों के लिए प्रथम और सर्वोपरि धारणाधिकार होगा । किसी ऐसे धारणाधिकार का, ऐसे शेयरों की वास्तव समय-समय पर घोषित सभी जाभांशों पर विस्तार होगा ।

46. शेयरों के विक्रय द्वारा धारणाधिकार को प्रवर्तित कराना :—बोर्ड विनियम 45 में निर्दिष्ट धारणाधिकार को प्रवर्तित कराने के प्रयोजन के लिए उसके अधीन रहते हुए शेयरों का ऐसी रीति से विक्रय कर सकेगा, जो वह ठीक समझे, किन्तु कोई भी विक्रय तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कोई राशि जिनकी वास्तव धारणाधिकार विद्यमान है, उस समय संदेय न हो, न ही तब जब तक विक्रय करने के श्राणय की लिखित सूचना की, ऐसे शेयरधारक या शेयरों के पारिषद के लिए हकदार व्यक्ति पर, यदि कोई हो, तामील न की गई हो और उस समय संदेय राशि के संदाय में ऐसी सूचना के पश्चात् मात दिन के लिए उसके द्वारा व्यतिक्रम न किया गया हो ।

47. शेयरों के विक्रय के आगमों का उपयोग :— विनियम 46 के अधीन शेयरों के किसी विक्रय के आगम ऐसे विक्रय के खर्चों की कटौती करने के पञ्चात ऋण या दायित्व की, जिनकी वास्तव, जहां तक वह उस समय संदेय है, धारणाधिकार विद्यमान है, तुष्टि में या के लिए उपयोगित किए जाएंगे और शेष का, यदि कोई हो, शेयरधारकों या इस प्रकार विक्रय किए गए शेयरों के पारिषद द्वारा हकदार व्यक्ति को, यदि कोई हो, संदाय किया जाएगा ।

48. समपहरण का प्रमाणपत्र :—किसी निदेश 6 या विकास बैंक के इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा लिखित यह प्रमाणपत्र कि किसी शेयर की वास्तव काल की गई थी और शेयर का समपहरण बोर्ड के उस प्रभाव के संकल्प द्वारा किया गया था ऐसे शेयरों के हकदार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध उसमें कथित तथ्य का निश्चायक साक्ष्य होगा ।

49. समपहृत शेयर के क्रेता और आबंटितों का हक :— विकास बैंक, किसी विक्रय, पुनराबंटन या उसके अन्य व्ययन पर किसी शेयर के लिए दिए गए प्रतिफल को, यदि कोई हो, प्राप्त कर सकेगा और वह व्यक्ति जिसको ऐसे शेयर का विक्रय, पुनराबंटन या व्ययन किया जाता है शेयर के धारक के रूप में रजिस्टर किया जा सकेगा और शेयर का धारक प्रतिफल के, यदि कोई हो, उपयोगन को देखने के लिए बाध्य नहीं होगा, न ही शेयर पर उसके हक पर शेयर 29/4 GI/94—2

के समपहरण, विक्रय, पुनराबंटन या अन्य व्ययन के संदर्भ में कारवाहियों में किसी व्यक्तिवितता या अवैधता द्वारा कोई प्रभाव पड़ेगा और विक्रय से व्ययित किसी व्यक्ति का उपचार केवल नुकसान में और अन्य रूप से विकास बैंक के विरुद्ध होगा ।

50. शेयरधारकों पर सूचना और दस्तावेज की तामील :—

(1) विकास बैंक, किसी भी शेयरधारक पर व्यक्तिगत रूप में या उसके रजिस्ट्रीकृत पते पर या यदि उसका भारत में कोई रजिस्ट्रीकृत पता नहीं है तो उसे सूचना देने के लिए विकास बैंक को उसके द्वारा दिए गए भारत के पते पर, यदि कोई हो, डाक द्वारा किसी सूचना या दस्तावेज को तामील कर सकेगा ।

(2) जहां किसी दस्तावेज या सूचना को डाक द्वारा भेजा गया है, वहां ऐसी दस्तावेज या सूचना की तामील के बारे में यह समझा जाएगा कि वह किसी पत्र पर, जिसमें दस्तावेज या सूचना अन्तर्बिष्ट हो, समुचित रूप में पता लिख कर, उसका पूर्ण संदाय करके और उसे डाक में डाल कर की गई है ।

परन्तु जहां किसी शेयरधारक ने पहले ही में विकास बैंक को यह सूचित कर दिया है कि दस्तावेज उसे डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन या रसीदी या बैगसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा, भेजा जाए और उसने ऐसा करने के व्यय को चुकाने के लिए विकास बैंक के पास पर्याप्त राशि जमा करा दी है, वहां दस्तावेज या सूचना की तामील तब की गई समझी जाएगी जब वह शेयरधारक द्वारा सूचित की गई रीति से भेजा गई हो, और जब तक प्रतिकूल साबित न किया जाए ऐसी तामील किसी बैठक की सूचना की दशा में उस पत्र के, जिसमें वह अन्तर्बिष्ट है, डाक में डाले जाने के पश्चात् अड़तालीस घंटे की समाप्ति पर, और किसी अन्य दशा में उस समय पर की गई समझी जाएगी जब पत्र डाक के साधारण अनुक्रम में परिदत्त किया गया होना ।

(3) भारत में व्यापक रूप से परिचालित किसी समाचार पत्र में विज्ञापित किसी सूचना या दस्तावेज के बारे में यह समझा जाएगा कि उसकी सम्यक् रूप में तामील विकास बैंक के ऐसे प्रत्येक शेयरधारक पर, जिसका भारत में कोई रजिस्ट्रीकृत पता नहीं है और जिसने उसे सूचना देने के लिए भारत का कोई पता विकास बैंक को नहीं दिया है, उस दिन की गई समझी जाएगी जिस दिन विज्ञापन प्रकाशित होता है ।

(4) विकास बैंक किसी शेयर के संयुक्त धारक पर किसी सूचना या दस्तावेज की तामील शेयर की वास्तव रजिस्टर में प्रथम तामित संयुक्त शेयरधारक पर तामील करके कर सकेगा ।

(5) विकास बैंक किसी शेयरधारक की मृत्यु पर या उसके दिवालियापन के परिणामस्वरूप शेयर के हकदार व्यक्तियों पर सूचना या दस्तावेज की तामील, नाम से, या मृतक के प्रतिनिधियों या दिवालिये के समनुदेशितियों के अभिनाम से या वैसे ही किसी वर्णन से, इस प्रकार हकदार होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा इस प्रयोजन के लिए दिए गए भारत में किसी पते पर, यदि कोई हो, उनको संबोधित ऐसा पत्र, जिसका डाक महसूल दे दिया गया है, डाक द्वारा या जब तक ऐसा पता इस प्रकार नहीं दिया गया हो, दस्तावेज की तामील किसी ऐसी रीति में करके, जिस रीति में यह तब तामील की गई होती जब मृत्यु या दिवालियापन नहीं हुआ होता, कर सकेगा।

अध्याय-VI

शेयरधारकों की बैठकें

51. साधारण बैठक बुलाने की सूचना:—(1) शेयरधारकों की साधारण बैठक बुलाने की सूचना, जिस पर विकास बैंक के अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक के हस्ताक्षर होंगे, बैठक के कम से कम पूरे इक्कीस दिन पहले भारत में व्यापक रूप में परिचालित कम से कम दो दैनिक समाचारपत्रों में, प्रकाशित की जाएगी।

(2) प्रत्येक ऐसी सूचना में ऐसी बैठक का समय, तारीख और स्थान और वह कारबार भी कथित होगा जो उस बैठक में किया जाएगा।

52. असामान्य साधारण बैठक:—(1) विकास बैंक का अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक शेयरधारकों की असामान्य साधारण बैठक तब बुलाएगा जब बोर्ड द्वारा इस प्रकार निदेशित किया गया हो या यदि ऐसी बैठक के लिए अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार से या ऐसे अन्य शेयरधारकों से प्राप्त हो गई हो जो उन शेयरों को धारण किए हुए हैं जिनके कुल मताधिकार सभी शेयरधारकों के कुल मताधिकार का कम से कम बीस प्रतिशत हैं।

(2) उपविनियम (1) में निर्दिष्ट अध्यक्ष में वह प्रयोजन कथित होगा जिसके लिए असामान्य साधारण बैठक बुलाई जानी अपेक्षित है किन्तु उसमें वैसे ही रूप में कई दस्तावेज होंगे और प्रत्येक दस्तावेज पर एक या अधिक अध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए होंगे।

(3) जहाँ दो या अधिक व्यक्ति संयुक्ततः किन्हीं शेयरों को धारण करते हों, वहाँ इस विनियम के प्रयोजनों के लिए बैठक बुलाने की अध्यक्षता या सूचना का, जिस पर उनमें से एक या कुछ व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए हों, वहीं बल और प्रभाव होगा मानों उस पर उन सभी ने हस्ताक्षर किए हों।

(4) असामान्य साधारण बैठक का समय, तारीख और स्थान बोर्ड द्वारा नियत किया जाएगा:

परन्तु केन्द्रीय सरकार या अन्य शेयरधारकों की अध्यक्षता पर बुलाई जाने वाली असामान्य साधारण बैठक अध्यक्षता प्राप्त होने के तीन मास के अपश्चात् नहीं बुलाई जाएगी।

(5) यदि, यथास्थिति, अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक उपविनियम (1) द्वारा अपेक्षित बैठक उप विनियम (4) के परंतुक में नियत अवधि के भीतर नहीं बुलाता है तो बैठक स्वयं अध्यक्षों द्वारा अगले तीन मास में बुलाई जा सकेगी:

परन्तु इस उपविनियम की किसी बात के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि वह उपर्युक्त तीन मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व सम्यक् रूप से प्रारम्भ की गई बैठक को उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी दिन के लिए स्थगित करने में निवारित करती है।

(6) अध्यक्षों द्वारा उप विनियम (5) के अधीन बुलाई जाने वाली बैठक, यथासंभव निकटतम रूप में, उसी रीति में बुलाई जाएगी जिसमें अन्य साधारण बैठकें बुलाई जाती हैं।

(7) उप-विनियम (5) के अधीन बैठक बुलाने में अध्यक्षों द्वारा उपगत किसी भी युक्तियुक्त व्यय की प्रतिपूर्ति विकास बैंक द्वारा अध्यक्षों को की जाएगी।

53. साधारण बैठकों में कारबार:—(1) अधिनियम की धारा 13 ज में जैसा विनिर्दिष्ट है उसमें भिन्न कोई भी कारबार वार्षिक साधारण बैठक में बैठक के अध्यक्ष की सहमति से ही किया जाएगा, अन्यथा नहीं।

(2) बैठक के अध्यक्ष की सहमति के बिना कोई भी कारबार किसी असामान्य साधारण बैठक में उस कारबार के सिवाय, जिसके लिए बैठक बुलाई गई है, नहीं किया जाएगा या उस पर विचार-विमर्श नहीं किया जाएगा।

54. साधारण बैठकों में गणपूर्ति:—(1) शेयरधारकों की किसी बैठक में, चाहे वह वार्षिक साधारण बैठक हो या असामान्य साधारण बैठक हो, कोई कारबार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे कारबार के प्रारंभ होने पर कम से कम पांच शेयरधारकों से, जिनमें केन्द्रीय सरकार का सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि और चार ऐसे अन्य शेयरधारक हों जिन्हें उस बैठक में व्यक्तिगत रूप में या प्राक्सी द्वारा या सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा मत देने का अधिकार हो, गणपूर्ति उपस्थित न हो।

(2) यदि बैठक करने के लिए नियत समय से आधे घंटे के भीतर गणपूर्ति उपस्थित नहीं है तो केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों की अध्यक्षता पर बुलाई गई बैठक विघटित हो जाएगी।

(3) अन्य किसी वशा में बैठक अगले सप्ताह उसी दिन, उसी समय और स्थान पर या ऐसे अन्य दिन और ऐसे अन्य समय और स्थान पर के लिए स्थगित हो जाएगी जैसा बैठक का अध्यक्ष अवधारित करे। यदि बैठक करने के लिए नियत समय में आधे घंटे के भीतर भणपूर्ति नहीं होती है तो भणपूर्ति ऐसे श्रेयधारकों से होती जो ऐसी स्थगित बैठक में व्यक्तिगत रूप से या प्राप्सी द्वारा या सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हैं और वे वह कारबार कर सकेंगे जिसके लिए बैठक बुलाई गई थी।

परन्तु कोई भी वार्षिक साधारण बैठक उस तारीख से, जिसके भीतर अधिनियम की धारा 13ब के निबंधनों के अनुसार ऐसी वार्षिक साधारण बैठक की जाएगी, बाव की तारीख को स्थगित नहीं की जाएगी और यदि आगामी सप्ताह में उसी दिन बैठक स्थगित करने का यह प्रभाव होता है तो वार्षिक साधारण बैठक स्थगित नहीं की जाएगी; किन्तु बैठक का कारबार बैठक के लिए नियत समय से एक घंटे के भीतर यदि भणपूर्ति हो गई हो या उस समय से एक घंटे की समाप्ति के ठीक पश्चात्, प्रारंभ किया जाएगा और वे श्रेयधारक, जो ऐसे समय पर व्यक्तिगत रूप से या प्राप्सी द्वारा या सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हैं, भणपूर्ति करेंगे।

55. साधारण बैठकों का अध्यक्ष :—(1) अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में निदेशकों में से ऐसा कोई एक निदेशक, जिसे अध्यक्ष द्वारा सामान्य-तथा या किसी विशिष्ट बैठक के संबंध में इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, बैठक का अध्यक्ष होगा और यदि अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक या निमित्त प्राधिकृत निदेशक उपस्थित नहीं है तो बैठक में उपस्थित किसी अन्य निदेशक को बैठक का अध्यक्ष होने के लिए निर्वाचित किया जाएगा।

(2) साधारण बैठक का अध्यक्ष सभी साधारण बैठकों में प्रक्रिया विनियमित करेगा और उसे विशिष्ट रूप में वह क्रम विनिश्चित करने की, जिसमें श्रेयधारक बैठक को संबोधित कर सकेंगे, भाषणों के लिए समय-सीमा नियत करने की, कार्यवाही तब समाप्त करने की, जब उसकी राय में किसी विषय पर संतोषप्रद रूप से विचार-विमर्श कर लिया गया है, और बैठक स्थगित करने की शक्ति होगी।

56. साधारण बैठकों में हाजिरहोने के हकदार व्यक्ति :—

(1) विकास बैंक के सभी निदेशक और श्रेयधारक, उप-विनियम (2) के उद्देश्य के अधीन रहते हुए, साधारण बैठक में हाजिर होने के हकदार होंगे।

(2) किसी ऐसे श्रेयधारक से जो केन्द्रीय सरकार या कोई निदेशक नहीं है और जो साधारण बैठक में हाजिर हो रहा है, जिसकी पहचान के प्रयोजन के लिए और उसका सनाधिकार अवधारित करने के लिए, विकास बैंक का एक ऐसा प्ररूप हस्ताक्षर करके परिदत्त करने की अपेक्षा की जाएगी जिसमें निम्नलिखित से संबंधित विशिष्टियाँ हों :—

(क) उसका पूरा नाम और राजिस्ट्रीकृत पता ;

(ख) उसके श्रेयों के सुविध संख्यांक ;

(ग) क्या वह मतदान करने का हकदार है और उन मतों की संख्या जिनके लिए वह स्वयं या प्राप्सी या सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हकदार है।

57. साधारण बैठकों में मतदान :—(1) किसी साधारण बैठक में मतदान के लिए रखे गए संकल्प का जब तक कि मतदान की मांग नहीं की जाती है, विनिश्चय साथ उठाकर किया जाएगा।

(2) जैसा अधिनियम में अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय किसी साधारण बैठक में प्रस्तुत किया गया प्रत्येक मामला बहुमत से विनिश्चित किया जाएगा।

(3) जब तक कि उप-विनियम (1) के अधीन मतदान की मांग नहीं की जाती है बैठक के अध्यक्ष की यह घोषणा कि हाथ उठाकर किया गया संकल्प या तो सर्वसम्मति से या विशिष्ट बहुसंख्या द्वारा पारित कर दिया गया है या नहीं कर दिया गया है और कार्यवाहियों के कार्यवृत्त को अंतर्विष्ट करने वाली पुस्तकों में उस प्रभाव की प्रविष्टि ऐसे संकल्प के पक्ष में या उसके विरुद्ध डाले गए मतों की संख्या या अनुपात के सबूत के बिना उस तथ्य का निश्चायक साक्ष्य होगी।

(4) हाथ उठाकर किए गए किसी संकल्प पर मतदान के परिणाम को घोषणा के पूर्व या घोषणा हो जाने पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा स्वयंसेवा से मतदान करने का आदेश किया जाएगा और स्वयं या प्राप्सी द्वारा उपस्थित तथा विकास बैंक में श्रेय, जो संकल्प पर मतदान करने की शक्ति प्रदान करने हैं जो संकल्प की बावत कुल मतदान शक्ति के एक बड़ा भाग से कम नहीं है, धारण करने वाले किसी श्रेयधारक या श्रेयधारकों द्वारा उस निर्णय की गई मांग पर मतदान किए जाने का उसके द्वारा आदेश किया जाएगा।

(5) मतदान के लिए की गई मांग उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों द्वारा किसी समय वापस ली जा सकती जिनसे या जिन्होंने मांग की थी।

(6) स्थगन के प्रश्न या बैठक के अध्यक्ष के निर्वाचन पर मांगा गया मतदान तुरंत किया जाएगा।

(7) किसी अन्य प्रश्न पर मांगा गया मतदान ऐसे समय पर किया जाएगा जो उस समय से अड़तालीस बटे के पश्चात् का नहीं होगा जब मांगा की गई थी, जैसे भी बैठक का अध्यक्ष निर्दिष्ट करे।

(8) मतदान करने के लिए किसी व्यक्ति की अर्हता के बारे में और मतदान करने के बारे में, उन मतों की संख्या के बारे में जो कोई व्यक्ति प्रयोग करने के लिए सक्षम है, बैठक के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

58. साधारण बैठकों में कार्यवृत्त (1) विकास बैंक सभी कार्यवाहियों के कार्यवृत्त उस प्रयोजन के लिए रखी गई पुस्तकों में रखवाएगा जा खुले पक्षों वाली जिल्दों के रूप में हो सकेंगी।

(2) कोई ऐसे कार्यवृत्त, जिनका उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा जिसमें कार्यवाहियों की गई थी या ठीक बाद की बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना लात्पयिन है, उसमें की गई कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

(3) जब तक प्रतिवृत्त साविता न कर दिया जाए उन कार्यवाहियों की बाबत, जिनके कार्यवृत्त इस प्रकार तैयार किए गए हैं, प्रत्येक साधारण बैठक सम्यक् रूप से बुलाई और की गई समझी जाएगी और उसमें की गई सभी कार्यवाहियाँ सम्यक् रूप से की गई समझी जाएगी।

अध्याय VII

शेयरधारकों के मतदान अधिकार

59. मतदान अधिकारों का अवधारण :—(1) अधिनियम की भाग 13(क) के उपबंधों के अधीन रहते हुए :—

(क) हाथ उठाकर मतदान में मतदान करने के लिए हकदार और स्वयं या अटर्नी अथवा प्राक्सी द्वारा उपस्थित प्रत्येक शेयरधारक का एक मत होगा।

(ख) मतदान में प्रत्येक शेयरधारक का, जो व्यक्ति होते हुए स्वयं या अटर्नी अथवा प्राक्सी द्वारा उपस्थित है या केन्द्रीय सरकार या निगमित निकाय होते हुए किसी प्रतिनिधि की मार्फत उपस्थित है, विकास बैंक की समादत्त ईक्विटी पृजा में उसके भाग के अनुपात में मतदान अधिकार होगा।

(2) किसी साधारण बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के हकदार विकास बैंक के कोई शेयरधारक किसी अन्य व्यक्ति का (वाहे शेयरधारक हो या नहीं) अपने वजाए उपस्थित होने और मतदान करने के लिए अपने प्राक्सी के रूप में नियुक्त करने का हकदार होगा; किन्तु इस प्रकार नियुक्त प्राक्सी को बैठक में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(3) प्राक्सी के रूप में नियुक्त किया गया व्यक्ति केवल किसी मतदान में मत देने का हकदार होगा।

60. सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान :—

(1) कोई शेयरधारक, जो केन्द्रीय सरकार या निगमित निकाय है, अपने किसी पक्षधारी या अन्य व्यक्ति को शेयरधारकों की किसी साधारण बैठक में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा और इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति (जिसे इन विनियमों में "सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि" कहा गया है) उन्हीं अधिकारों का, जिनके अंतर्गत प्राक्सी द्वारा मतदान करने का अधिकार और केन्द्रीय सरकार या ऐसे निगमित निकाय की ओर से शक्तियाँ हैं, प्रयोग करने के लिए हकदार होगा मानो वह विकास बैंक का व्यक्तिगत शेयरधारक हो।

(2) कोई भी व्यक्ति विकास बैंक के शेयरधारकों की किसी बैठक में किसी निगमित निकाय के सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित और मतदान करने का तब तक हकदार नहीं होगा जब तक कि उसे सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने वाले संकल्प का एक प्रति जो उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित है जिसमें वह पारित किया गया था, बैठक के लिए नियत तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा न कर दी गई हो।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी निगमित निकाय के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या सोसाइटियों के रजिस्ट्रीकरण के लिए उपबंध करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी भी है।

61. प्राक्सी :—(1) प्राक्सी की कोई भी लिखत तब तक विधिमाम्य नहीं होगी जब तक कि व्यक्तिगत शेयरधारक की दशा में यह उसके द्वारा या लिखित रूप में सम्यक् रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित न हो या नियुक्त शेयरधारकों की दशा में यह रजिस्टर में प्रथम नामित शेयरधारक या लिखित रूप में सम्यक् रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है या निगमित निकाय की दशा में यह उसकी सामान्य मुद्रा के अधीन, यदि कोई

हो, निष्ठादि नहीं की गई या लिखित रूप में सम्यक् रूप से प्राधिकृत उसक अधीन द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है :

परन्तु प्राप्ती की लिखत किसी ऐसे श्रेयधारक द्वारा पर्याप्त रूप से हस्ताक्षरित की जाएगी जो किसी कारण से अपना नाम लिखने में असमर्थ है यदि उसकी अंगुठा छाप उस पर लगी हुई है और किसी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, हस्तांतरण पत्रों के रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार या अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या विकास बैंक के किसी अधिकारी द्वारा प्रमाणित है ।

(2) कोई भी प्राप्ती तब तक विधिमान्य नहीं होगी जब तक कि वह सम्यक् रूप से स्टांपित नहीं है और उसकी एक प्रति बैठक के लिए नियत तारीख से पूरे चार दिन पूर्व उस मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार (यदि कोई हो) के साथ, जिसके अधीन वह हस्ताक्षरित की गई है या किसी नोटरी पब्लिक या मजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित उस मुख्तारनामा या प्राधिकार की प्रति विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं कर दी गई है जब तक कि ऐसा मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार पहले ही विकास बैंक के पास जमा और रजिस्टर नहीं कर दिया गया है ।

(3) प्राप्ती की कोई भी लिखत तब तक विधिमान्य नहीं होगी जब तक कि वह प्ररूप ख में नहीं है ।

(4) विकास बैंक के पास जमा की गई प्राप्ती की लिखत अप्रतिसंहरणीय होगी जब तक कि :—

(क) प्राप्ती के जमा करने की अंतिम तारीख को या उससे पूर्व अनुदाता के हस्ताक्षर या सामान्य मुद्रा के अधीन एक लिखित सूचना विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं कर दी गई है जिसमें :—

(i) उस व्यक्ति का नाम कथित होगा जिसके पक्ष में लिखत दी गई थी ; और

(ii) यह कथित होगा कि ऐसी लिखत प्रतिसंहृत की गई है ; या

(ख) यह कथित होगा कि वह उप-विनियम (6) के अधीन अधिविमान्य समझी जाती है ।

(5) अनुकल्पन दो प्राप्तिकर्ताओं के पक्ष में दी गई प्राप्ती की लिखत की दशा में प्रतिगहरण की सूचना में दूसरे या अनुकर्ता प्राप्तिकर्ता का नाम वर्णित करना आवश्यक नहीं होगा परन्तु यह तब जब सूचना उस प्राप्ती को लिखत की जिसको प्रतिसंहृत करने का आशय है सदेह से पूरे पहचान करने में अन्यथा पर्याप्त है ।

(6) यदि उन्हीं श्रेयों की वास्तव दो या अधिक प्राप्ती की लिखतें जमा की जाती हैं और यदि प्राप्तियों के जमा करने के लिए अंतिम दिन को या उससे पूर्व ऐसी

प्राप्तियों में से एक को छोड़कर सभी प्राप्तियां उप-विनियम (4) में अधिकृत प्रक्रिया के अनुसार सम्यक् रूप से प्रतिसंहृत न कर दी गई हों तो सभी ऐसी प्राप्ती की लिखतें अधिविमान्य समझी जाएंगी ।

(7) प्राप्ती की लिखत का प्रतिसंहरण उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर एक अन्य विधिमान्य प्राप्ती की लिखत को जमा करने की प्रतिषिद्ध नहीं करेगा ।

(8) किसी प्राप्ती की लिखत का, जो इस विनियम के अधीन अप्रतिसंहरणीय हो गई है, अनुदाता उस बैठक में जिसमें ऐसी लिखत संबंधित है, स्वयं मतदान करने के लिए हकदार नहीं होगा ।

(9) कोई भी व्यक्ति जो विकास बैंक का अधिकारी या कर्मचारी है सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि या प्राप्ती के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा ।

(10) इस विनियम में अंतर्विष्ट कोई बात केन्द्रीय सरकार को लागू नहीं होगी और केन्द्रीय सरकार ऐसे व्यक्ति को, जिसे वह विकास बैंक की किसी माधारण बैठक में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए ठीक समझे, नियुक्त कर सकेगी । इस प्रकार नियुक्त कोई व्यक्ति बैठकों के प्रयोजन के लिए विकास बैंक का श्रेयधारक समझा जाएगा और उन्हीं अधिकारों और शक्तियों का प्रयोग करेगा जो केन्द्रीय सरकार बैठक में प्रयोग करने के लिए हकदार होगी ।

अध्याय VIII

निर्देशकों का निर्वाचन

62. निर्देशक माधारण बैठकों में निर्वाचित किए जाएंगे :

(1) अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन निर्वाचित निर्देशक विकास बैंक की वार्षिक माधारण बैठक में श्रेयधारकों द्वारा निर्वाचित किया जाएगा ।

(2) निर्वाचित किए जाने वाले निर्देशकों की संख्या और विशिष्ट शक्तियां जिनका वादत निर्वाचन किया जाता है वार्षिक माधारण बैठक चुनने वाली सूचना में विनिर्दिष्ट की जाएगी ।

63. निर्वाचन के लिए उम्मीदवारों का नामनिर्देशन :—

(1) निर्देशक के रूप में निर्वाचन के लिए कोई भी उम्मीदवार अधिविमान्य रूप से तब तक नामनिर्दिष्ट नहीं किया जाएगा जब तक कि :—

(क) वह नामनिर्देशन की प्राप्ति के लिए अंतिम तारीख को अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन निर्देशक होने के लिए निर्वाचित नहीं है ;

(ख) नामनिर्देशन लिखित रूप में नहीं है और अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ऊ) के अधीन निर्देशकों का नामनिर्देशन करने के हकदार कम से कम दो शेयरधारकों द्वारा या उनके सम्यक् रूप से गठित अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है परन्तु यह कि उस शेयरधारक द्वारा, जो निगमित निकाय है, नामनिर्देशन उक्त निगमित निकाय के निदेशकों के संकल्प द्वारा किया जा सकेगा और जहां वह ऐसे किया जाता है वहां संकल्प की एक प्रति जो उस बैंक के, जिसमें वह पारित किया गया था, अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित मही प्रति के रूप में विकास बैंक के प्रधान कार्यालय को भेजी जाएगी और ऐसी प्रति ऐसे निगमित निकाय की ओर से नामनिर्देशन नमस्ती जाएगी।

(ग) नामनिर्देशन के साथ या उसमें किसी व्यापारी, मजिस्ट्रेट, हस्तांतरण पत्रों के रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार या अन्य सज्जवतित अधिकारी या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या विकास बैंक के किसी अधिकारी के समक्ष उम्मीदवार द्वारा हस्ताक्षरित यह घोषणा नहीं है कि वह नामनिर्देशन को स्वीकार करता है और निर्वाचित किए जाने के लिए खड़ा होने के लिए राजामंद है और कि वह अधिनियम की धारा 6 ख के अधीन निर्वाचित किए जाने के लिए निरहित नहीं है।

(2) कोई भी नामनिर्देशन तब तक विधिमानी नहीं होगा जब तक कि वह सभी पहलुओं से पूर्ण नहीं है और विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में बैंक के लिए नियत तारीख से कम से कम चौदह दिन पूर्व किसी कार्य-दिवस को प्राप्त नहीं किया जाता है।

64. नामनिर्देशनों की संवीक्षा :—(1) नामनिर्देशनों की प्राप्ति के लिए नियत तारीख से अगले प्रथम कार्य दिवस को नामनिर्देशनों की संवीक्षा की जाएगी और यदि कोई नामनिर्देशन विधिमानी नहीं पाया जाता है तो वह उसके लिए कारण लेखबद्ध करने के पश्चात् नामजूर कर दिया जाएगा। यदि निर्वाचन द्वारा भरी जाने वाली किसी विशिष्ट रिक्ति के लिए केवल एक विधिमानी नामनिर्देशन है तो इस प्रकार नामनिर्दिष्ट उम्मीदवार तुरंत निर्वाचित किया गया समझा जाएगा और उसका नाम तथा पता इस प्रकार निर्वाचित किए गए स्वयं में प्रकाशित किया जाएगा। ऐसी दशा में उस प्रयोजन के लिए बुलाई गई बैठक में कोई निर्वाचन नहीं होगा और यदि बैठक केवल उपर्युक्त निर्वाचन के लिए बुलाई गई थी तो वह रद्द हो जाएगी।

(2) किसी विद्यमान रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित किसी निदेशक द्वारा, उस तारीख से, जिसको वह निर्वाचित किया जाता है या किया गया समझा जाता है, अगली तारीख को पक्का संभाला गया समझा जाएगा।

65. निर्वाचन विवाद :—(1) यदि निर्वाचित समझे गए या घोषित व्यक्ति की अर्हता या निरर्हता के बारे में या किसी निदेशक के निर्वाचन की विधिमानीयता के बारे में कोई संदेह या विवाद खड़ा होता है तो कोई हितवद्ध व्यक्ति जो उम्मीदवार या ऐसे निर्वाचन में मतदान करने के लिए हकदार शेयरधारक है ऐसे निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तारीख से सात दिन के भीतर उसकी लिखित सूचना विकास बैंक को दे सकेगा और उक्त सूचना में उन आधारों की, जिन पर वह निर्वाचन की विधिमानीयता पर संदेह या विवाद करता है, पूर्ण विशिष्टियां देगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन किसी सूचना की प्राप्ति पर विकास बैंक का अध्यक्ष ऐसे संदेह या विवाद को किसी समिति के, जिसमें वह और अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) और (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट निदेशकों में से कोई दो होंगे, विनिश्चय के लिए तुरंत निर्दिष्ट करेगा।

(3) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट समिति ऐसी जांच करेगी जो वह ठीक समझती है और यदि उसका निष्कर्ष है कि निर्वाचन विधिमानीय निर्वाचन था तो वह निर्वाचन के घोषित परिणाम की पुष्टि करेगी या यदि उसका यह निष्कर्ष है कि निर्वाचन विधिमानीय निर्वाचन नहीं था तो वह जांच के प्रारंभ होने से तीस दिन के भीतर ऐसा आदेश करेगी और ऐसे निदेश देगी जिनके अंतर्गत नए निर्वाचन कराना है, जो उन परिस्थितियों में समिति को न्यायसंगत प्रतीत हों।

(4) इस विनियम के अनुसरण में ऐसी समिति का कोई आदेश या निदेश निष्चयाक होगा।

66. निदेशक को हटाना :—निदेशक को, जिसका हटाया जाना अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4ख) के अधीन में चाहा गया है ऐसे हटाए जाने के विरुद्ध लिखित अभ्यावेदन (जो श्रुतियुक्त लंबाई से अधिक न हो) करने का अवसर दिया जाएगा और ऐसा अभ्यावेदन यदि वह निदेशक ऐसा अनुरोध करता है तो केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के बीच परिचालित किया जाएगा या अनुकल्पतः यदि वह निदेशक इस प्रकार अनुरोध करता है तो भारत में परिचालित किसी समाचारपत्र में प्रकाशित किया जाएगा और यदि अभ्यावेदन या ऐसा परिचालन या प्रकाशन समय के अभाव के कारण संभव नहीं है तो उसे बैंक में पढ़ा जाएगा।

अनुसूची I

(विनियम 14 देखें)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

31 मार्च को तुलन पत्र

पूर्व वर्ष (१०)	विवरण	इस वर्ष (१०)
1	शेयर पूंजी : प्राधिकृत निर्गमित और समाप्त	
2	भारतियां निधियां और अधिगण (i) भारतियां निधि (ii) अन्य निधियां (iii) भारतियां घटा : लाभ और हानि लेखा में नामे अतिशेष, यदि कोई हो । (iv) अधिगण	
3.	उपहार, अनुदान, सदान और दान : (i) सरकार से (ii) अन्य स्रोतों से	
4.	बंधपत्र और डिबेंचर :	
5.	निधिप :	
6	उधारराशियां : (i) भारतीय रिजर्व बैंक से (क) स्टॉक, निधियों और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों पर प्रतिभूत (ख) विनियम पत्रों या बचन- पत्रों पर प्रतिभूत (ग) राष्ट्रीय औद्योगिक प्रत्यय (शीर्षावधि परिचालन) निधि में से (ii) भारत सरकार से : (क) ब्याजमुक्त ऋण (ख) अन्य ऋण (iii) अन्य स्रोतों से (iv) विदेशी कर्जों में	
7	चाबू बायिल्व और उपबंध	

समाश्रित बायिल्व :

- (i) बैंक पर किए गए दावे जो
ऋणों के रूप में स्वीकृत नहीं
हैं
- (ii) दी गई प्रत्याभूति के कारण
- (iii) हामीदारी प्रतिबद्धताओं के कारण
- (iv) अंशतः संरक्षित शेयरों, डिबेंचरों
आदि पर मांगी न गई राशियों
के कारण
- (v) धनराशियां जिनके लिए बैंक
समाश्रित रूप से दायी है

अनुसूची-I—(जारी)

पूर्व वर्ष (१०)	आस्तियां	इस वर्ष (१०)
1.	नकदी और बैंक प्रतिशेष : (i) हाथ में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में प्रतिशेष (ii) अन्य बैंकों में प्रतिशेष : (क) चाबू खाते में (ख) निधिप खाते में	
2.	विनिधान : @ (i) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में (ii) वित्तीय संस्थाओं के स्टॉक, शेयरों, बंधपत्रों और डिबेंचरों में (iii) औद्योगिक समुत्थानों के स्टॉक, शेयरों, बंधपत्रों और डिबेंचरों में	
3	ऋण और अधिम राशियां : (i) अनुसूचित बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं को (ii) औद्योगिक समुत्थानों को	
1.	मितिकाटे पर भुनाए गए या मितिकाटे पर पुनः भुनाए गए विनियमपत्र और बचनपत्र .	
5	परिसर (लागत में से मूल्यहास घटाकर)	
6.	अन्य स्थिर आस्तियां : (लागत में से मूल्यहास घटाकर)	
7.	अन्य आस्तियां :	
8.	लाभ और हानि लेखा :	

@कुल बाजार मूल्य उपदर्शित किया जाएगा यदि वह बड़ी मूल्य
से कम है ।

घनसूची-II

(विनियम 14 देखें)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
31 मार्च को समाप्त हुए वर्ष
का लाभ-हानि लेखा

पूर्व वर्ष (रु०)	व्यय	इस वर्ष (रु०)
	1. निक्षेपों, उधारों आदि पर संवत् व्यय	
	2. स्थापन व्यय	
	3. निदेशकों और कार्यपालक समिति के सदस्यों की फीस और व्यय	
	4. लेखा-परीक्षकों की फीस	
	5. किराया, कर, बीमा, प्रकाश-व्यवस्था आदि	
	6. विधि प्रसार	
	7. डाक महसूल, तार और टिकट	
	8. लेखन-सामग्री, मुद्रण, विज्ञापन आदि	
	9. मूल्यह्रास	
	10. विनिधानों के विक्रय पर शुद्ध हानि (जिसे आरक्षितियों में या किसी विशिष्ट निधि या खाते में नामे नहीं डाला गया है)	
	11. अन्य व्यय	
	12. अग्रणीत लाभ-अतिशेष	
	13. अग्रणीत हानि-अतिशेष	
	14. गत वर्ष से अग्रणीत हानि-अतिशेष	
	15. कराधान के लिए उपबंध	
	16. विनियोग	
	17. तुलनपत्र में ले जाया गया लाभ-अतिशेष	

आय

(वर्ष के दौरान कूबंत और शंकास्पद ऋणों के लिए किए गए उपबंध और अन्य आवश्यक और समीचीन उपायों को घटाएँ)

पूर्व वर्ष (रु०)	इस वर्ष (रु०)
	1. व्याज और मितिकाटे पर भुगतान
	2. विनिधानों से आय
	3. कमीशन, बराली आदि

4. विनिधानों के विक्रय से शुद्ध लाभ (ओ आरक्षित निधि या किसी विशिष्ट निधि या खाते में जमा नहीं किया गया है)

5. अन्य आय

6. अग्रणीत हानि--अतिशेष

7. अग्रणीत लाभ--अतिशेष

8. गत वर्ष से अग्रणीत लाभ--अतिशेष

9. तुलनपत्र में ले जायी गयी हानि--अतिशेष

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

प्ररूप क

शेयर अंतरण प्ररूप

[विनियम 25 का उप-विनियम (1) देखें]

नीचे कथित प्रतिलिप के लिए नामित "अंतरक" नामित "अंतरिकी" (अंतरिकियों) को नीचे विनिविष्ट शेयरों का इसके द्वारा अंतरण उन शर्तों के अधीन रहते हुए करने हैं, जिन पर उक्त शेयर अंतरक (अंतरिकों) द्वारा अधिधारित हैं, और अंतरिकी उक्त शेयरों को उपर्युक्त शर्तों के अधीन रहते हुए, स्वीकार करने और आग्रह करने का इसके द्वारा करार करते हैं।

उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का नाम, जहाँ कारबार किया जाता है, यदि कोई हो

साधारण/अधिमानी शेयरों का वर्णन

अंकों में संख्या	शब्दों में संख्या	प्रतिलिप (अंकों में)	प्रतिलिप (शब्दों में)
------------------	-------------------	----------------------	-----------------------

सुशिक्षित संख्यांक	से तक
--------------------	-------

तस्स्थानी

प्रमाणपत्र सं०

अंतरक (अंतरिकों) [विक्रेता रजिस्ट्रीकृत (विक्रेताओं)] की फोलियो सं०

हस्ताक्षर

विशिष्टियां

पूरा नाम

1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.

अनुप्रमाणन

मैं इसमें उल्लिखित अंतरकों (अंतरकों)
के हस्ताक्षर को इसके द्वारा
अनुप्रमाणित करता हूँ

हस्ताक्षर	साक्षी का नाम और पता
नाम	
पता/मुद्रा	पिता
अंतरिकी (अंतरिकियों) [क्रेता /क्रेताओं] की निशानिधियाँ	हस्ताक्षर
पूरा नाम	1
	2
	3

उपजीविका	पता	पिता/पति का नाम
1		
2		
3		

अंतरिकी (अंतरिकियों) का
विवर्तमान फॉर्मिवा, यदि कोई
हो, नामों के उसी क्रम में

तारीख
स्थान

केवल कार्यालय उपयोग
के लिए
द्वारा जांच की गई
द्वारा हस्ताक्षर मिलान के नमूने हस्ताक्षर
किए गए
अंतरण स. पर
रजिस्टर में दर्ज किया गया
अनुमोदन की तारीख

अनुप्रमाणन के लिए अनुबंध

अनुप्रमाणन, जहाँ अपेक्षित हो (अंगूठा छाप, चिन्ह, हस्ताक्षर भिन्नता
आदि) किसी मजिस्ट्रेट नोटरी पब्लिक या विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
या लोक पद धारण करने वाले और अपने पद की मूद्रा का उपयोग करने
के लिए प्राधिकृत तत्समान प्राधिकारी या किसी मान्यताप्राप्त स्टाफ
एम्प्लॉय के किसी सदस्य द्वारा जिसकी मार्फत शेयर सभिमिलन किए
जाते हैं या अंतरण के बैंक के प्रबंधक द्वारा किया जाता चाहिए।

2974 GI/94—3

टिप्पण: नामों की, अनुप्रमाणन सोया पक्षि में स्वर को मुहर लगानी
चाहिए। उपायक्रम बनाए रखना चाहिए। जब परिधान किसी विकासी
सदस्य बैंक द्वारा किया जाता है तब दस्तावेज का विकासी सदस्यक तथित
करना चाहिए।

परिधान करने वाले तारीख
दस्तावेज का नाम या
विकासी संख्यांक

सूक्ष्मांतरनामा
प्राबेट

मृत्यु प्रमाण पत्र

प्रमाणित पत्र
कंपनी के पास रजिस्ट्रीकरण

सं. तारीख

बलाय, बैंक, कंपनी या स्टाफ एम्प्लॉय
समाप्तिधन गृह के हस्ताक्षर
(आयक्षर नहीं)

द्वारा प्रस्तुत

पूरा पता :
शेयर प्रमाणपत्र
(बहु नाम और पता भरे
जिसपर प्रमाणपत्र वापस
किए जाने अपेक्षित हैं)
को वापस किया जाएगा

नाम और पता :

शेयर अंतरण स्टाफ

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
प्रमुख

प्राक्सी का प्रमुख

(वित्तियम 61 का उप-वित्तियम (3) देखें)

राज्य में जिले में का/के निवासी मै/
हम विकास बैंक का/के शेयरधारक होने हुए राज्य में
जिले में निवासी श्री को और
उसके अंतर्गत रहने पर राज्य में जिले में
के निवासी श्री को को होने वाली
और उसके किसी स्थान पर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के शेयर
धारकों की बैठक में मेरी/हमारी ओर से मतदान करने के लिए इसके
द्वारा अपना प्राक्सी नियुक्त करता है/करते हैं।

तारीख को हस्ताक्षरित।

ह०/-

ए. लहरी, महा प्रबंधक

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार ने भारतीय औद्योगिक
विकास बैंक, वित्तियम, 1961 के संशोधनों का अपने पत्र सं. 10(32)/
I.E.I/94 तारीख 26-12-1994 द्वारा अनुमोदन किया है।

ह०/-

आर.एस. लुना, संयुक्त विधि सहायकार

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA

(Industrial Development Bank of India General Regulations, 1994)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1994

F. No. 1409|Legal.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 37 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) and in supersession of the Industrial Development Bank of India General Regulations, 1964 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Board, with the previous approval of the Central Government, makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called Industrial Development Bank of India General Regulations, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) “the Act” means the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964);
- (b) “Form” means a form appended to these regulations.
- (c) “member” means a member of the Executive Committee constituted under sub-section (1) of section 7 of the Act, or as the case may be, any other committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act;
- (d) “register” means the register of shareholders kept in one or more books of the Development Bank and includes the register of share-holders kept in computer floppies or diskettes under section 13B of the Act;
- (e) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

MEETINGS OF BOARD AND EXECUTIVE COMMITTEE

3. Meetings of the Board.—(1) Meetings of the Board shall be convened by the chairman or in his absence, by the managing director or in the absence of both, by the whole-time director.

(2) Any three directors may require the chairman or in his absence, the managing director or in the absence of both, the whole-time director to convene a meeting of the Board at any time and he shall forthwith convene a meeting accordingly.

(3) Meetings of the Board shall be held at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meeting.

(4) Not less than fifteen days notice shall ordinarily be given of each meeting of the Board and such notice shall be sent to every director at his usual address in India. Should it be found necessary to convene an emergency meeting, sufficient notice shall be given to every director to enable him to attend.

(5) No business other than that for which the meeting was convened shall be discussed at a meeting of the Board, except with the consent of the person presiding at the meeting and a majority of the directors present, unless one clear week's notice has been given of the same in writing to the chairman or the managing director.

(6) Quorum for the transaction of business at a meeting of the Board shall be one-third of the total number of persons for the time being constituting the Board (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(7) A resolution in writing circulated to all the directors at their usual addresses in India and approved and signed by a majority of such directors who are then in India, one of whom shall be the chairman or the managing director, shall be valid and effectual and shall be deemed to be the resolution passed by the Board on the date on which it is concurred and signed by the last signatory to the resolution:

Provided that if any dissenting director requires in writing that any resolution so passed shall be placed before a meeting of the Board, the resolution shall not be deemed to be valid and effectual as aforesaid, unless the same is passed at such meeting.

(8) A copy of the proceedings of each meeting of the Board shall be circulated as soon as possible thereafter for the information of the directors and shall be signed by the person presiding at that or the next succeeding meeting.

4. Powers of the Executive Committee.—(1) The Executive Committee shall have full powers to transact all the usual business of the Development Bank except in such matters as are specifically reserved to the Board under the Act or any regulations made thereunder.

(2) In the exercise of its powers, the Executive Committee shall be bound by such general or special directions as the Board may give from time to time.

5. Meetings of the Executive Committee.—(1) Meetings of the Executive Committee may be convened from time to time at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meetings, so however that at least one meeting shall be convened in each calendar month. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(2) Quorum for the transaction of business at a meeting of the Executive Committee shall be one-third of the total strength of the Executive Committee (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(3) Save as otherwise provided in this regulation, the provisions of the Act and, of these regulations shall apply to meetings of the Executive Committee as if they were meetings of the Board.

6. No director or member to deal with matters with which he is personally concerned.—(1) Every director of the Board and every member of the Executive Committee who is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in a contract or arrangement or proposed contract or arrangement entered into or to be entered into, by or on behalf of the Development Bank shall disclose the nature of his concern or interest at a meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be :

Provided that it shall not be necessary for a director or member to disclose his concern or interest in any such contract or arrangement proposed to be entered into with a company or a foreign company within the meaning of the Companies Act, 1956, where the concern or interest consists only in his holding either singly or together with any other director or directors of the Board or any other member or members of Executive Committee, in the aggregate not more than two percent of the paid-up share capital in such company.

(2) (a) In the case of a proposed contract or arrangement, the disclosure required to be made by a director of the Board or member of the Executive Committee under sub-regulation (1) shall be made at the meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, at which the question of entering into contract or arrangement is first taken into consideration, or if the director or member, was not, at the date of that meeting concerned or interested in the proposed contract or arrangement, at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, held after he becomes so concerned or interested.

(b) In the case of any other contract or arrangement, the required disclosure shall be made at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be held after the director or member becomes concerned or interested in the contract or arrangement.

(3) (a) For the purpose of sub-regulations (1) and (2) a general notice given by a director or a member, to the Board or to the Executive Committee, as the case may be, to the effect that he is a director or a member of a specified body corporate or is a member of a specified firm and is to be regarded as concerned or interested in any contract or arrangement which may after the date of the notice, be entered into with that body corporate or firm, shall be deemed to be a sufficient disclosure of concern or interest in relation to any contract or arrangement so made.

(b) A director or a member giving a general notice to the Board or Executive Committee under clause (a) shall as soon as possible, give notice of any change in the particulars contained therein.

(c) No such general notice, (no notice of any change therein), be of effect unless either it is given at a meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, or the director or member concerned, takes reasonable steps to secure that it is brought upon and read at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, after it is given.

(4) No director of the Board and no member of the Executive Committee, shall, as a director or member, as the case may be, take any part in the discussion of, or vote on, any contract or arrangement entered into or to be entered into by or on behalf of the Development Bank, if he is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in such contract or arrangement, nor shall his presence count for the purpose of form-

ing a quorum at the time of such discussion or vote; and if he does vote, his vote shall be void :

Provided that nothing herein contained shall apply to any contract or arrangement entered into or to be entered into with a public company within the meaning of the Companies Act, 1956, (1 of 1956) or a private company within the meaning of that Act, which is a subsidiary of any such public company in which the interest of the director consists solely :—

(i) in his being :—

(a) a director of such company and

(b) the holder of not more than shares of such number of value therein as is requisite to qualify him for appointment as a director thereof, he having been nominated as such director by the Development Bank, or

(ii) in his being a member holding not more than two per cent, of the paid-up share capital of such company.

7. Ad-hoc Committees.—(1) Any Committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act shall, in the exercise of the powers entrusted to it: be bound by such general or special directions as the Board or the Executive Committee may give from time to time.

(2) Meetings of any such committee may be convened from time to time at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meetings. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(3) The quorum for the meeting of any such Committee shall be one third of its strength (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(4) The provisions of regulation 6 shall apply to every member and to meetings of any such committee in the same manner as that regulation applies to every member and to meetings of the Executive Committee :

Provided that if any such member has given any notice under regulation 6 to the Board or the Executive Committee, it shall not be necessary for him to further disclose his concern or interest in pursuance of this sub-regulation.

CHAPTER III

FEES AND ALLOWANCES OF DIRECTORS

8. Fees and allowances of directors and members of the Executive Committee and other Committees —(1) Subject to the proviso to Section 8 of the Act—

(i) Every director shall be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for every meeting of the Board which he attends;

(ii) Every member of the Executive Committee shall be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for every meeting of the Executive Committee which he attends;

(iii) Every member of any committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act shall, unless he is in receipt of any remuneration, including honorarium other than casual remuneration from the Development Bank be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for each meeting of such Committee, which he attends.

(2) In addition to such fee, directors and members shall be reimbursed their travelling expenses on such scales as they are entitled to in the respective institutions in which they hold office and in any other case, on such scales as are applicable to the highest Group 'A' officer of the Central Government.

CHAPTER IV

CONTRACTS, COMMON SEAL AND ACCOUNTS

9. Manner and form in which contracts binding on the Development Bank may be executed.—(1) Contracts on behalf of the Development Bank shall be made in writing signed by any person acting under its authority, express or implied and may in the same manner be varied or discharged.

(2) All contracts made according to the provisions of this regulation shall be valid and binding on the Development Bank.

10. Accounts, receipts and documents of the Development Bank by whom to be signed.—The managing director, the whole-time director, the

executive directors, the general managers, the joint general managers, the deputy general managers, the secretary and chief accountant and such officers of the Development Bank as the Board may authorise in this behalf by notification in the Official Gazettee, to such extent and subject to such limitations, if any, as the Board may specify or impose in so authorising, are hereby severally empowered for and on behalf of the Development Bank to endorse and transfer promissory notes, stock-receipts, stocks, debentures, shares, securities and documents of title to goods, standing in the name of or held in the name of or held by the Development Bank, and to draw, accept and endorse bills of exchange and other instruments in the current and authorised business of the Development Bank and to sign all other accounts, receipts and documents connected with such business.

11. **Plaints, etc., by whom to be signed.**—Plaints, written statements, affidavits and all other documents connected with legal proceedings may be signed and verified on behalf of the Development Bank by any officer empowered by or under the regulation 10 to sign documents for and on behalf of the Development Bank.

12. **Issue of bonds.**—(1) The bonds or debentures of the Bank shall be issued under the signature of the chairman or managing director and such signature may be printed, engraved or lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

(2) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.

13. **Common Seal.**—The Common Seal of the Development Bank shall not be affixed to any instrument except in pursuance of a resolution of the Board or of the Executive Committee, as the case may be, and in the presence of at least three directors including the chairman or the managing director or the whole-time director who shall sign their names to the instrument in token of their presence, and such signing shall be independent of the signing of any person who may sign the instrument as a witness. Unless so signed as aforesaid such instrument shall be of no validity.

14. **Balance Sheet and Profit and Loss account.**—The Development Bank shall prepare the balance sheet as at 31st March of every year, and a profit and loss account for the year ending on that date, in the forms specified in Schedule I and Schedule II to these regulations.

CHAPTER V

SHARES AND SHARE REGISTER

15. **Share to be movable property.**—The shares of the Development Bank shall be movable property.

16. **Control over shares and registers.**—Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may give from time to time, the register kept at the head office shall be maintained by and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.

17. **Parties who may not be registered as shareholders.**—(1) Except as otherwise provided by these regulations, no minor or person who has been found by a court of competent jurisdiction to be of unsound mind shall be entitled to be registered as a shareholder.

(2) In case of firms, shares shall be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

18. **Particulars to be entered in the register.**—(1) In addition to the particulars specified in section 13B of the Act, the following particulars shall be entered in the register, namely :—

- (a) the manner in which each shareholder acquired his share or shares, and except in the case of allotment of shares to the Central Government, the name of the previous holder and the folio on which the share was last entered;
- (b) whether the shareholder is the Central Government or belongs to a category of shareholders other than the Central Govt.; and
- (c) when any person ceases to be a shareholder, the name of the person in whose favour the share or shares are transferred.

(2) A separate ledger shall be maintained in respect of (a) the equity shares held by the Central Government and persons other than the Central Government; and (b) preference shares held by the Central Government.

(3) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (1) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.

(4) A shareholder resident outside India shall furnish to the Development Bank an address in India, and such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.

19. Exercise of rights of joint holders.—If any share stands in the name of two or more persons, the person first named in the registrar shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with the Development Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

20. Inspection of the register.—(1) The register shall except when closed under regulation 21, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Development Bank may impose, so however that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.

(2) A shareholder shall not have the right himself to make a copy of any entry in the register, but may, except when the register is closed, require a copy of the register or any part thereof.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (2), any officer of the Central Government authorised in this behalf by it, shall have the right to make a copy of any entry in the register or require a copy of the register or any part thereof.

21. Closing of the register.—The Development Bank may, after giving not less than seven days' previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time.

22. Share Certificates.—(1) Every share certificate shall be issued in such form as may be specified by the Board. Each share certificate shall bear a distinctive number and denote the number of shares in respect of which it is issued. Every share certificate shall bear the name of the shareholder to whom it is issued.

(2) Every share certificate shall be signed on behalf of the Development Bank by two persons duly authorised in this behalf by the Board and

such signature may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

(3) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.

23. Issue of share certificate.—(1) While issuing certificates to any shareholder, it shall be competent for the Development Bank to issue the certificates on the basis of one certificate for each fifty shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but less than fifty.

(2) If the number of shares to be registered is less than fifty, one certificate shall be issued for all the shares.

(3) In the case of shares held jointly by several persons, delivery of the relative certificate or certificates to one of such joint holders shall be sufficient delivery to all and receipt signed by any one of the joint holders shall effectually bind all the joint holders.

24. Renewal of share certificates.—(1) If a worn out or defaced share certificate is produced, the Board may order the same to be cancelled, and have a new certificate issued in lieu thereof.

(2) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, then upon production of such evidence of the loss or destruction thereof as the Board may consider satisfactory and upon such indemnity with or without security as the Board may require, and on payment to the Development Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter, a new certificate in lieu thereof shall be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

25. Transfer of shares.—(1) Every transfer of the shares of the Development Bank shall be in writing and in Form A.

(2) The instrument of transfer of any share shall be submitted to the Board and shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in register.

(3) Upon receipt by the Board of an instrument of transfer with a request to register the transfer, the Board shall, unless it refuses to register the transfer under section 13D of the Act, cause the transfer to be registered.

26. Power to suspend transfers.—The Board may suspend the registration of transfer during any period in which the register is closed.

27. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc. of a shareholder.—(1) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, in respect of such share, or a person in whose favour a valid instrument of transfer of such share was executed by such person and by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by the Development Bank as having any title to such share.

(2) In the case of the shares registered in the names of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of the share was executed by such person and such last survivor during the latter's life-time, shall be the only person who may be recognised by the Development Bank as having any title to such share.

(3) The Development Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or other legal representation, as the case may be, from a court of competent jurisdiction :

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of a succession certificate, letters of administration or such other legal representation upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

(4) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right,—

- (a) to be registered as a shareholder in respect of such share; or
- (b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

28. Calls on Shares.—The Board may, from time to time make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, and not by the conditions of allotment thereof made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be made payable by instalments.

29. Calls to date from resolution.—A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

30. Notice of call.—A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.

31. Extension of time for payment of call.—The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call as to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholders shall be entitled to such extension as a matter of right.

32. Liabilities of joint holders.—The joint-holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

33. Amount payable at fixed time or by instalments as calls.—If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed time, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

34. When interest on call or instalment payable.—If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix, from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may waive payment of such interest wholly or in part.

35. Non-payment of calls by shareholder.—No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any privilege as a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, if any.

36. If call or instalment not paid, notice must be given.—If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, the Board may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgment or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by the Development Bank by reason of such non-payment.

37. Form of Notice.—The notice shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

38. In default of payment shares to be forfeited.—If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter before payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

39. Entry of forfeiture in the register.—When any share has been forfeited under regulation 38, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

40. Forfeited shares to be property of the Development Bank and may be sold.—Any share so forfeited shall be deemed to be the property of the Development Bank and may be sold, reallocated or

otherwise disposed of, either to the original holder thereof or to any other person upon such terms and in such manner as the Board may decide.

41. Power to annul forfeiture.—The Board may, at any time, before any state so forfeited under regulation 38 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.

42. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest.—Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to the Development Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of the forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

43. Partial payment not to preclude forfeiture.—Neither a judgment nor a decree in favour of the Development Bank for calls or other moneys due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by the Development Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by the Development Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

44. Application of forfeiture provisions.—The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, as if the same had been payable by virtue of a call duly made.

45. Development Bank's lien on shares.—The Development Bank, in the case of partly paid up shares, shall have a first and paramount lien for all moneys called or payable at a fixed time in respect of such shares. Any such lien shall extend to all dividends from time to time declared in respect of such shares.

46. Enforcing lien by sale of shares.—The Board may, for the purpose of enforcing lien referred to in regulation 45 sell the shares subject thereto in such manner as it thinks fit, but no sale shall be made unless any sum in respect of which the lien exists is presently payable nor until notice in writing of the intention to sell shall have been served on such shareholder or person, if any, entitled for transmission to the shares and default

shall have been made by him in payment of the sum presently payable for seven days after such notice.

47. Application of proceeds of sale of shares.—The net proceeds of any sale of shares under regulation 46 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

48. Certificate of forfeiture.—A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of the Development Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

49. Title of purchaser and allottee of forfeited share.—The Development Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against the Development Bank exclusively.

50. Service of a notice or document to shareholders.—(1) The Development Bank may serve a service or a document on any shareholder either personally, or by post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Development Bank for the giving of notice to him.

(2) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice :

Provided that where a shareholder has intimated to the Development Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due, and has deposited with the Development Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or

2974 GI/94—4

notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder, and unless the contrary is proved, such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

(3) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears, on every shareholder of the Development Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Development Bank an address within India for giving of notices to him.

(4) A notice or document may be served by the Development Bank on the joint-holder of a share by serving it on the joint-holder named first in the register in respect of the share.

(5) A notice or a document may be served by the Development Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.

CHAPTER VI

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

51. Notice convening a general meeting.—(1) A notice convening a general meeting of the shareholders signed by the chairman or the managing director or the whole-time director of the Development Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.

(2) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.

52. Extraordinary general meeting.—(1) The chairman or in his absence the managing director or in his absence the whole-time director of the Development Bank shall convene an extraordinary general meeting of shareholders if so direct-

ed by the Board, or if a requisition for such a meeting has been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying in the aggregate not less than twenty per cent of the total voting rights of all the shareholders.

(2) The regulation referred to in sub-regulation (1) shall state the purpose for which the extraordinary general meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.

(3) Where two or more persons hold any shares jointly, a requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purposes of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.

(4) The time, date and place of the extraordinary general meeting shall be decided by the Board :

Provided that the extraordinary general meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholders shall be convened not later than three months of the receipt of the requisition.

(5) If the chairman or the managing director or the whole-time director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (1), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (4), the meeting may be called by the requisitionists themselves within the next three months :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly commenced before the expiry of the period of three months aforesaid, from adjourning to some day after the expiry of that period.

(6) A meeting called under sub-regulation (5) by the requisitionists shall be called in the same manner, as nearly as possible, as that in which the other general meetings are called.

(7) Any reasonable expenses incurred by the requisitionists in calling a meeting under sub-regulation (5) shall be reimbursed to the requisitionists by the Development Bank.

53. Business at general meetings.—(1) No business other than that specified in Section 13H of the Act shall be transacted at the annual general meeting except with the consent of the chairman of the meeting.

(2) Except with the consent of the chairman of the meeting, no business shall be transacted or discussed at any extraordinary general meeting, except the business for which the meeting has been convened.

54. Quorum of general meetings.—(1) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders whether it is the annual general meeting or an extraordinary general meeting unless a quorum of at least five shareholders consisting a duly authorised representative of the Central Government and four other shareholders entitled to vote at such meeting in person or by proxy or by duly authorised representatives is present at the commencement of such business.

(2) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum be not present, in the case of a meeting called by the requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.

(3) In any other case, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the chairman of the meeting may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called:

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of Section 13F of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

55. Chairman at general meetings.—(1) The chairman or in his absence, the managing director or in his absence, the whole-time director or in his absence, such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the chairman in this behalf shall be the chairman of the meeting and if the chairman or the managing director or the whole-time

director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.

(2) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at all general meetings and in particular shall have power to decide the order in which shareholders may address the meeting, to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed, and to adjourn the meeting.

56. Persons entitled to attend general meetings.—(1) All directors and all shareholders of the Development Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (2) be entitled to attend a general meeting.

(2) A shareholder (not being the Central Government) or a director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Development Bank a form containing the particulars relating to,—

- (a) his full name and registered address;
- (b) the distinctive numbers of his shares;
- (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

57. Voting at general meetings.—(1) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded, be decided on a show of hands.

(2) Save as otherwise provided in the Act, every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.

(3) Unless a poll is demanded under sub-regulation (1), a declaration by the chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried, either unanimously or by a particular majority, and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be a conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of or against such resolution.

(4) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand

made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in the Development Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one-fifth of the total voting power in respect of the resolution.

(5) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.

(6) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.

(7) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.

(8) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

58. Minutes of general meetings.—(1) The Development Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose which may be in the form of binders containing loose leaves.

(2) Any such minutes, if purporting to be signed by the Chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the Chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings concluded thereat.

(3) Until the contrary is proved every general meeting in respect of the proceedings whereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER VII

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

59. Determination of voting rights.—(1) Subject to the provisions contained in section 13G of the Act,—(a) upon a show of hands, every shareholder entitled to vote and present in person or by attorney or proxy shall have one vote; and

(b) upon a poll, every shareholder, who being an individual is present in person or by attorney or by proxy or being the Central Government or a body corporate, is present through

a representative, shall have a voting right in proportion to his or its share of the paid up equity capital of the Development Bank.

(2) Shareholder of the Development Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself; but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

(3) A person appointed as proxy shall be entitled to vote only upon a poll.

60. Voting by duly authorised representative.—(1) A shareholder being the Central Government or a body corporate may authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations) shall be entitled to exercise the same rights including the right to vote by proxy and powers on behalf of the Central Government or such body corporate as if he were an individual shareholder of the Development Bank.

(2) No person shall attend or vote at any meeting of shareholders of the Development bank as the duly authorised representative of a body corporate unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the head office of the Development Bank not less than four clear days before the date fixed for the meeting.

Explanation.—For the purpose of this regulation, a body corporate shall also include a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or any other law for the time being in force providing for registration of Societies.

61. Proxies.—(1) No instrument of proxy shall be valid unless in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate it is executed under its common seal, if any, or signed by its attorney duly authorised in writing :

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who for any reason is unable to write his name, if his thumb impression is affixed thereto and attested

by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted officer or an officer of a nationalised bank or the Development Bank.

(2) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the head office of the Development Bank not less than four clear days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power or authority certified by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Development Bank.

(3) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form B.

(4) An instrument of proxy deposited with the Development Bank shall be irrevocable unless,

(a) on or before the last date of deposit of proxy, there shall have been deposited at the head office of the Development Bank a notice in writing under the hand or common seal of the grantor specifically stating—

(i) the name of the person in whose favour the instrument was granted; and

(ii) that such instrument is revoked; or

(b) the same is deemed to be invalid under sub-regulation (6).

(5) In the case of an instrument or proxy granted in favour of two grantees in the alternative, it shall not be necessary to mention in the notice of revocation the name of the second or alternative grantee provided that the notice is otherwise sufficient to identify beyond doubt the instrument of proxy which it is intended to revoke.

(6) If two or more instruments of proxy in respect of the same shares are deposited and if on or before the last day for deposit of proxies all but one of such instruments of proxy has not been duly revoked in accordance with the procedure laid down in sub-regulation (4) all such instruments of proxy shall be deemed to be invalid.

(7) The due revocation of an instrument of proxy shall in no way prohibit the deposit of another valid instrument of proxy within the time specified in sub-regulation (2).

(8) The grantor of an instrument of proxy which has become irrevocable under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.

(9) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of the Development Bank.

(10) Nothing contained in this regulation shall apply to the Central Government and the Central Government may appoint such person as it thinks fit to act as its representative at any general meeting of the Development Bank. A person so appointed shall for the purpose of the meeting be deemed to be the shareholder of the Development Bank and shall exercise the same rights and powers as the Central Government shall be entitled to exercise at the meeting.

CHAPTER VIII

ELECTION OF DIRECTORS

62. Directors to be elected at general meetings.—(1) A director to be elected under clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Act shall be elected by the shareholders in the annual general meeting of the Development Bank.

(2) The number of directors to be elected and the particular vacancies in respect of which the election is to be held shall be specified in the notice convening the annual general meeting.

63. Nomination of candidates for election.—(1) No candidate for election as a director shall be validly nominated unless.—(a) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under sub-section (1) of Section 6B of the Act;

(b) the nomination is in writing signed by at least two shareholders entitled to elect directors under clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a body corporate may be made by a resolution of the directors of the said body corporate and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the head office of the Development Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such body corporate;

(c) the nomination shall accompany or contain a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar

of Assurances or other Gazetted officer or an officer of a nationalised bank or Development Bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified for election under Section 6B of the Act.

(2) No nomination shall be valid unless it is complete in all respects and received, in the head office of the Development Bank on a working day not less than fourteen clear days before the date fixed for the meeting.

64. Scrutiny of nominations.—(1) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.

(2) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

65. Election disputes.—(1) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the chairman of the Development Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.

(2) On receipt of an intimation under sub-regulation(1), the chairman of the Development Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of himself and any two of directors nominated under clauses (c) and (d) of sub-section (1) of section 6 of the Act.

(3) The committee referred to in sub-regulation (2) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared

result of the election, or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.

(4) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

66. Removal of director.—A director sought to be removed under sub-section (4B) of Section 6 of the Act, shall be given an opportunity to make representation in writing against such removal to the Development Bank (not exceeding a reasonable length) and such representation, if the director so requests, shall be circulated among the shareholders other than the Central Government or alternatively, if the director so requests, be published in any newspaper circulated in India and if such circulation or publication of representation is not possible for want of time, the same shall be read out at the meeting.

SCHEDULE

(See regulation 14)

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, LIABILITIES

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. SHARE CAPITAL:	
Authorised	
Issued and paid up	
2. RESERVES, FUNDS AND SURPLUS:	
(i) Reserve Funds	
(ii) Other Funds	
(iii) Reserves	
Less : Debit Balance, if any in the Profit & Loss Account	
(iv) Surplus	
3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACTIONS:	
(i) From Government	
(ii) From other sources	
4. BONDS AND DEBENTURES:	
5. DEPOSITS:	
6. BORROWINGS:	
(i) From Reserve Bank of India	
(a) Secured against stocks funds and other trustee securities.	

(b) Secured against bills of exchange
or promissory notes

(c) Out of the National Industrial
Credit.

(Long term operations)
Fund

(ii) From Government of India:

(a) Interest free loan

(b) Other loans

(iii) From other sources

(iv) In foreign currency

7. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:

CONTINGENT LIABILITIES:

(i) Claims against the Bank not
acknowledged as debts

(ii) On account of guarantee issued

(iii) On account of underwriting
commitments

(iv) On account of uncalled moneys
on partly-paid shares, debentures
etc.

(v) Moneys for which the Bank is
contingently liable

SCHEDULE 1 (Contd.) ASSETS

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. CASH AND BANK BALANCES:	
(i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India	
(ii) Balances with other banks:	
(a) On current account	
(b) On deposit account	
2. INVESTMENT : @	
(i) In securities of Central and State Governments	
(ii) In stocks, shares, bonds and debentures of financial institutions	
(iii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns	

3. LOANS AND ADVANCES:

(i) To scheduled banks, State Co-operative banks and other financial institutions

(ii) To industrial concerns

4. BILLS OF EXCHANGE AND PROMISSORY NOTES DISCOUNTED OR REDISCOUNTED:

5. PREMISES:

(At cost less depreciation)

6. OTHER FIXED ASSETS:

(At cost less depreciation)

7. OTHER ASSETS:

8. PROFIT AND LOSS ACCOUNT :

@Total market value to be indicated in case it is lower than the book value.

SCHEDULE II

(See regulation 14)

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR
ENDED MARCH 31,

EXPENDITURE

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. Interest paid on Deposits, Borrowings etc.	
2. Establishment expenses	
3. Directors' and Executive Committee Members' fees and expenses	
4. Auditors' fees	
5. Rent, Taxes, Insurance, Lighting etc.	
6. Law Charges	
7. Postage, Telegrams and Stamps	
8. Stationery, Printing Advertisement etc.	
9. Depreciation	
10. Net loss on sale of investments (not debited to reserves or any particular fund or account)	
11. Other expenditure	
12. Balance of Profit carried down	
13. Balance of loss brought down	
14. Balance of loss brought forward from last year.	
15. Provision for taxation	
16. Appropriations	
17. Balance of profit carried to balance sheet.	

SCHEDULE-II (Contd.)

INCOME

(Less provision made during the year for bad and doubtful debts, and other necessary and expedient provisions)

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. Interest and Discount	
2. Income from investments	
3. Commissions, brokerage etc.	
4. Net profit on sale of investment (Not credited to reserve or any particular fund or account)	
5. Other income	
6. Balance of loss carried down	
7. Balance of profit brought down	
8. Balance of profit brought forward from last year.	
9. Balance of loss carried to balance sheet.	

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
FORM A

Share Transfer Form

[See sub-regulation (1) of regulation 25]

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the conditions aforesaid Name of the recognised:
Stock Exchange, where
dealt in, if any,

Description of Equity Shares

No. in Figures	Number in words	Consideration (in figures)	Consideration (in words)
Distinctive Numbers	From To		
Corresponding Certificate Nos.			
Transferor(s) Particulars Name(s) in full	[Seller(s)] Folio No.	Regd.	Signature(s)
1. _____	1. _____		
2. _____	2. _____		
3. _____	3. _____		
4. _____	4. _____		

ATTESTATION

I hereby attest the signature
of the Transferor(s) herein
mentioned

Signature of witness

Signature

Name and address of witness

Name

Address/Seal

Pin

Transferee(s)

Buyer(s) Particulars

Signature(s)

Name(s) in full

1. _____

2. _____

3. _____

Occupation

Address

Father's/Husband's Name

1.

2.

3.

Transferee(s) existing

Value of

Folio if any, in same
order of Names

Stamps affixed Rs. _____

Dated this _____ day of _____ One thousand nine
hundred _____

Place : _____

For Office use only

Folio

Checked by _____

Specimen 1. _____

Signatures tallied by _____

Signature(s), 2. _____
of Transferee(s)

Entered in Register of

Transfer No. _____

Approval Date _____

Instructions for attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the Seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE : Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering
broker or clearing
member

Date

Power of Attorney
Probate

Death
Certificate

Letters of Administration

Registered with the Company
No. _____ Date _____

(Signature (not initials) of
Broker, Bank, Company or
Stock Exchange Clearing
House)

Lodged by:
Full Address:

Share Certificate to be returned
to _____
(Fill in the name and address to
which the certificates are
required to be returned)

Name & Address:

Share Transfer Stamps

**INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
FORM B**

FORM OF PROXY

[See sub-regulation (3) of regulation 61]

I/We, resident of _____ in the district
of _____ in the State of _____
being a shareholder/shareholders of the Development Bank
hereby appoint Shri _____ resident of _____
in the district of _____ in the State
of _____ or failing him, Shri _____
resident of _____ in the district of _____
in the State of _____ as my/our proxy to
vote for me/us on my/our behalf at the meeting of the
shareholders of the Industrial Development Bank of India to
be held on the _____ day of _____ 19____,
and at any adjournment thereof.

Signed by the _____ day of _____ 19____.

sd/-

A. LAHIRI, General Manager

Certified that Government of India have given approval
to the amendments to the Industrial Development Bank of
India General Regulations, 1964 vide their letter F.No. 10(32)
IF.I/94 dated 26-12-1994

sd/-

R.S. LOONA, Jt. Legal Adviser.